दैनिक घटती-घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 285- शनिवार 15- अगस्त 2026,पृष्ठ - 16 मूल्य 4 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति पूछी जाएगी

कोविड वैक्सीन कहां लगवाई,कितने बैंक अकाउंट जैसे 40 सवाल पूछेंगे,लिस्ट जारी

नई दिल्ली,14 अगस्त 2026। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को जनगणना 2027 के दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना के लिए 40 सवालों की प्रश्नावली अधिसूचित कर दी। इसमें लोगों की गिनती की जाएगी। पहली बार, जनगणना के तहत जाति से जुड़ी जानकारी भी एकत्र की जाएगी। इस प्रश्नावली में नागरिकों की व्यक्तिगत, सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक जानकारी से जुड़े प्रश्न शामिल हैं। लोगों से उनके कोविड-19 टीकाकरण, बैंक खातों, आधार, मतदाता पहचान पत्र और अन्य जानकारियों के बारे में भी पूछा जाएगा। गृह मंत्रालय के तहत भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त की ओर से शुक्रवार को जारी अधिसूचना में जनगणना अधिकारियों को परिवारों से 40 बिंदुओं से संबंधित जानकारी एकत्र करने के लिए अधिकृत किया गया है। अधिसूचना के मुताबिक जनगणना अधिकारी अपने निर्धारित स्थानीय क्षेत्र की सीमा के भीतर रहने वाले लोगों से परिवार अनुसूची के माध्यम से इन सवालों के जवाब पूछ सकेंगे। प्रश्नावली में व्यक्ति

का नाम,परिवार के मुखिया से संबंध, लिंग, जन्म तिथि एवं आयु,वैवाहिक स्थिति और विवाह के समय आयु से लेकर पति या पत्नी के नाम तथा घोषित राष्ट्रीयता से संबंधित जानकारी शामिल है। रोजगार और आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी जानकारी के लिए यह पूछा जाएगा कि व्यक्ति ने पिछले वर्ष किसी भी समय काम किया था या नहीं,उसकी आर्थिक गतिविधि की श्रेणी क्या है, व्यवसाय क्या है, उद्योग,व्यापार या सेवा का स्वरूप क्या है तथा कामगार की श्रेणी क्या है। गैर-कामगारों और सीमांत एवं अर्ध-सीमांत कामगारों के लिए गैर-आर्थिक गतिविधि तथा काम की तलाश या काम के लिए उपलब्धता के बारे में भी जानकारी मांगी जाएगी। प्रश्नावली में कार्यस्थल तक आने-जाने की यात्रा, जन्म स्थान, पूर्व निवास स्थान, स्थान परिवर्तन का कारण, पिछले प्रवास के बाद गांव या नगर में रहने की अवधि और स्थायी निवास के पते से जुड़े सवाल भी हैं। वर्तमान में विवाहित, विधवा, तलाकशुदा और अलग रह रही महिलाओं के लिए जीवित बच्चों की संख्या तथा कभी जीवित जन्मे बच्चों की संख्या से संबंधित प्रश्न भी शामिल किए गए हैं। इसके अलावा कोविड-19 टीकाकरण का स्थान, कुल बैंक खातों की संख्या, मोबाइल नंबर और आधार नंबर, यदि उपलब्ध हो, मांगा जाएगा। मतदाता पहचान पत्र नंबर, भारतीय पासपोर्ट धारक होने पर पासपोर्ट नंबर तथा ड्राइविंग लाइसेंस की उपलब्धता से संबंधित जानकारी भी प्रश्नावली का हिस्सा है।

पहचान और परिवार: 12 सवालों में नाम से जाति तक जानकारी

जनगणना में व्यक्ति का नाम,परिवार के मुखिया से संबंध, लिंग, जन्मतिथि और उम्र पूछी जाएगी। साथ ही वैवाहिक स्थिति,शादी के समय उम्र,पति या पत्नी का नाम,राष्ट्रीयता, धर्म और एस/एसटी/जाति की जानकारी ली जाएगी। माता-पिता की जानकारी भी दर्ज होगी।

शिक्षा और भाषा: 5 सवालों में पढ़ाई और डिजिटल साक्षरता

इस हिस्से में दिव्यांगता,मातृभाषा और दूसरी भाषाएं,साक्षरता और डिजिटल साक्षरता की जानकारी ली जाएगी। साथ ही शैक्षणिक संस्थान में पढ़ाई की स्थिति और उच्चतम शैक्षणिक योग्यता,स्ट्रीम या विषय पूछा जाएगा।

रोजगार : 8 सवालों में काम और नौकरी की जानकारी

व्यक्ति ने पिछले एक साल में काम किया या नहीं, उसकी आर्थिक गतिविधि, व्यवसाय और काम का क्षेत्र पूछा जाएगा। इसके अलावा कामगार की श्रेणी, गैर-आर्थिक गतिविधि, काम की तलाश या उपलब्धता और काम की जगह तक आने-जाने की जानकारी भी ली जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली में बम का खौफ

हाई कोर्ट समेत 6 जगहों को मिली धमकी

नई दिल्ली,14 अगस्त 2026। स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले दिल्ली में सुरक्षा को लेकर हलचल बढ़ गई है। दिल्ली हाई कोर्ट समेत राजधानी की छह जगहों पर बम की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। हाई कोर्ट को ई-मेल के जरिए धमकी मिली, जिसके बाद बम निरोधक दस्ते ने परिसर में तलाशी अभियान शुरू कर दिया। अब तक किसी भी स्थान से संदिग्ध वस्तु मिलने की जानकारी नहीं है। धमकी मिलने वाली जगहों में दिल्ली हाई

कोर्ट, जामनगर हाउस, झंडेवालान की फ्लैटेड बिल्डिंग, एमबी साकेत स्थित डीएम कार्यालय, आईजीआई एयरपोर्ट का टर्मिनल-3 और दिल्ली कैंट का एसडीएम कार्यालय शामिल हैं। सूचना मिलते ही संबंधित सुरक्षा टीमें और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। सभी स्थानों पर सुरक्षा जांच की जा रही है। दिल्ली हाई कोर्ट को धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद रजिस्ट्रार जनरल दिल्ली पुलिस के संपर्क में हैं। हाई कोर्ट परिसर में बम निरोधक दस्ते तलाशी ले रहे हैं। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

राहुल गांधी को राहत...सुप्रीम कोर्ट ने वीर सावरकर पर टिप्पणी से जुड़े आपराधिक मानहानि मामले को किया रद्द

नई दिल्ली,14 अगस्त 2026। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर पर टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ निचली अदालत में चल रही कार्यवाही को रद्द किया। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने शुक्रवार को यह फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि इस मामले में राहुल गांधी पर मुकदमा चलाने के लिए कानून के तहत जरूरी मंजूरी नहीं ली गई थी। प्रक्रिया में इस कमी पर ध्यान देते हुए शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने कांग्रेस नेता के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही और जारी किए गए समन को रद्द कर दिया। यह मामला

2022 में 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान राहुल गांधी के महाराष्ट्र में दिए गए विवादित बयान से जुड़ा है। इसमें उन्होंने वीर सावरकर को 'अंग्रेजों का नौकर' बताया था। साथ ही, कांग्रेस सांसद ने कहा था कि सावरकर 'अंग्रेजों से पेंशन लेते थे।' वकील नृपेंद्र पांडे ने इसको लेकर निकली अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी।

एफएसएसएआई को कड़ी फटकार

कहा...आप कॉरपोरेट दबाव के आगे झुक रहे, क्या आप नहीं चाहते कि लोग स्वस्थ रहें ?

नई दिल्ली,14 अगस्त 2026। पैकड फूड के डिब्बों पर चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट की अधिकता की चेतावनी लेबल लगाने में देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को कड़ी फटकार लगाई है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा - 'आप कॉरपोरेट दबाव के आगे झुक रहे हैं। क्या आप नहीं चाहते कि देश के लोग स्वस्थ रहें? ' सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने एफएसएसएआई की पिछली बैठक के मिनट पेश किए। इसमें चेतावनी लेबल लागू करने में प्राधिकरण की अनिच्छा दिखी।

बंटवारे के दर्द पर भावुक हुए पीएम मोदी

बोले-परिवार उजड़ गए,अपनों को खो दिया

नई दिल्ली,14 अगस्त 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अगस्त को मनाए जाने वाले विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों और विस्थापित परिवारों को श्रद्धांजलि दी। इस दिन विभाजन के दौरान झेली गई पीड़ा, हिंसा और विस्थापन की त्रासदी को याद किया जाता है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर उस दौर से प्रभावित लोगों के साहस और संघर्ष को नमन किया।

पीएम मोदी ने याद की विभाजन की दर्दनाक यादें

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि विभाजन भारतीय इतिहास का ऐसा दौर था, जिसने अनगिनत लोगों की जिंदगी पूरी तरह बदल दी। परिवार बिछड़ गए,लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया और लाखों लोगों को अपना घर-बार छोड़कर अनजान जगहों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस त्रासदी ने लोगों को गहरा मानसिक और सामाजिक दर्द दिया, जिसकी याद आज भी देश के इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मुश्किल हालात में लोगों ने फिर खड़ी की जिंदगी : प्रधानमंत्री ने कहा कि विभाजन से प्रभावित लोगों ने बेहद कठिन परिस्थितियों के बावजूद हार नहीं मानी। उन्होंने शून्य से अपनी

जिंदगी दोबारा शुरू की और तमाम चुनौतियों को अवसर में बदलने का प्रयास किया। विस्थापित लोगों ने मेहनत, साहस और संघर्ष के जरिए अपने परिवारों को संभाला और आगे बढ़ते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी जीवन यात्रा मानवीय जिजीविषा और दृढ़ इच्छाशक्ति की मिसाल है।

सद्भाव और भाईचारे का संकल्प मजबूत करने की अपील : पीएम मोदी ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें अतीत की पीड़ा को याद करने के साथ भविष्य के लिए भी सीख देता है। उन्होंने प्रार्थना की कि यह अवसर देश में आपसी सद्भाव, भाईचारे और एकता की भावना को मजबूत करने का संकल्प और दृढ़ करे। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से मिलकर विकसित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

दूसरी पोस्ट में भी देशवासियों को किया नमन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर एक अन्य पोस्ट भी साझा की। इसमें उन्होंने विभाजन की त्रासदी से गुजरने वाले देशवासियों को हृदय से नमन किया। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलकर इन लोगों ने देश की प्रगति में अमूल्य योगदान दिया। अपने साहस और सामर्थ्य के बल पर उन्होंने यह साबित किया कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दृढ़ संकल्प और मेहनत से सफलता हासिल की जा सकती है।

राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का संदेश

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से सद्भावना और एकजुटता की राष्ट्रीय भावना को और मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इतिहास के दर्दनाक अध्यायों को याद करने का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि एकता, भाईचारे और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करना होना चाहिए। विभाजन की पीड़ा से सीख लेकर देश को शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ाने का संकल्प लेना जरूरी है।

स्वतंत्रता दिवस पर 1,057 कर्मियों को सम्मान...301 को गैलेंट्री मेडल,नक्सल क्षेत्रों के 197 जवान शामिल

नई दिल्ली,14 अगस्त 2026। स्वतंत्रता दिवस 2026 के मौके पर केंद्र सरकार ने पुलिस, फायर सर्विस, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और जेल सेवाओं के 1,057 कर्मियों को गैलेंट्री और सर्विस मेडल देने का ऐलान किया है। इनमें 301 गैलेंट्री मेडल, 92 प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस और 664 मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस शामिल हैं। इसके अलावा सीबीआई के 21 अधिकारियों और कर्मचारियों को भी राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है।

301 कर्मियों को गैलेंट्री मेडल

कुल 301 गैलेंट्री मेडल में 272 पुलिसकर्मी और 29 फायर सर्विस कर्मी शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा 197 कर्मी लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म यानी नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के 51, नॉर्थ-ईस्ट के 12 और अन्य क्षेत्रों के 41 कर्मियों को भी गैलेंट्री मेडल दिया गया है। यह सम्मान ऐसे कर्मियों को दिया जाता है, जिन्होंने जान बचाने, संपत्ति की रक्षा करने, अपराध

रोकने या अपराधियों को पकड़ने के दौरान असाधारण बहादुरी दिखाई।

92 कर्मियों को प्रेसिडेंट्स मेडल

सरकार ने 92 कर्मियों को प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस देने का ऐलान किया है। इनमें 83 पुलिस सेवा, 4 फायर सर्विस, 3 सिविल डिफेंस एवं होम गार्ड और 2 करेक्शनल सर्विस के कर्मी शामिल हैं। यह सम्मान सेवा में विशेष और उत्कृष्ट रिकॉर्ड के लिए दिया जाता है।

664 कर्मियों को मेरिटोरियस सर्विस मेडल

इसके अलावा 664 कर्मियों को मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस दिया गया है। इनमें 606 पुलिस, 28 फायर सर्विस, 18 सिविल डिफेंस एवं होम गार्ड और 12 करेक्शनल सर्विस के कर्मी शामिल हैं। यह मेडल कर्तव्य के प्रति समर्पण और बेहतर सेवा के लिए दिया जाता है।

सीबीआई के 21 फसर-कर्मियों को भी राष्ट्रपति पदक

सीबीआई के 21 अधिकारियों और कर्मचारियों को भी राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है। इनमें 6 को पीएसएम और 15 को एमएसएम दिया गया है। पीएसएम पाने वालों में शोभा दत्ता, मनोज बनर्जी, गिन्नी राणा, संजय कुमार समाल, रमेश चंद और मदन लाल धीमान शामिल हैं। इनमें एसपी, एएसपी,डीएसपी और एएसआई स्तर के अधिकारी-कर्मचारी हैं। एमएसएम पाने वालों में डीएसपी, इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर, हेड कॉन्स्टेबल और कॉन्स्टेबल के साथ लीगल और टेक्निकल स्टाफ भी शामिल हैं।

संपादकीय

संसद के सामने नई चुनौती

बड़े दिनों बाद विपक्ष और खासकर कांग्रेस को एक सफलता मिलने का अहसास हो रहा है। उसकी जो चाहत थी,वह पूरी हो गई। मानसून सत्र करीब-करीब धुल गया और परिसीमन विधेयक भी नहीं आ पाया। द्रमुक के विपक्षी खेमे से बाहर जाने और कांग्रेस के खिलाफ तीखे तेवर अपनाने,शरद पवार गुट की एनसीपी के बदले सुर,तृणमूल में टूट जैसी कई घटनाओं ने कांग्रेस को आशंकित कर रखा था। ऐसे में छात्र आंदोलन के रूप में उसके हाथ बटेर आ गया।

कुछ सत्तापक्ष की रणनीति भी मात खा गई और विपक्ष की मंशा पूरी हो गई,लेकिन विपक्ष को यह सोचना होगा कि लंबी राजनीति में ऐसे अवरोध की रणनीति बहुत काम नहीं आती। परिसीमन तो संवैधानिक व्यवस्था है और वह होगी ही। वह कांग्रेस नहीं रोक पाएगी और उसमें अभी विपक्षी खेमे में खड़े कई दल भी साथ देंगे। लिहाजा सफलता को स्थायी बनाना है तो शोर-शराबे की राजनीति से आगे जाकर विमर्श की ऐसी राजनीति सीखनी और करनी होगी, जिससे जनता उसके नैरेटिव को समझ सके। विपक्ष ने रणनीति के तहत सत्र को नहीं चलने देने का मन बना लिया था, फिर भी यदि सत्तापक्ष सदन चलाने की सार्थक पहल करता तो विमर्श में शायद आगे दिखता। जिस तरह पूरा सत्र हठधर्मिता के कारण बाधित हुआ,वह लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है। विपक्ष अगर सार्थक मुद्दों पर सकारात्मक जीत हासिल करे तभी लोकतंत्र की सफलता है।

वैसे तो 2014 के बाद से कई बार और 2024 के बाद से अधिकतर यही देखा गया है कि संसद सत्र से ठीक पहले कुछ ऐसे मुद्दे उभरते हैं, जिन्हें विपक्ष लपक लेता है। जंतर-मंतर पर सीजेपी का आंदोलन ऐसा ही एक मुद्दा था। इससे पहले उस भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर किसान आंदोलन खड़ा करने की तैयारी थी, जो वस्तुतः अभी फाइनल ही नहीं हुआ है। ऐसे आंदोलनों के पीछे कौन सी ताकत काम करती है, यह समझा जा सकता है। मानसून सत्र की शुरुआत में भी जब अवरोध उत्पन्न हुआ तो किसी को हैरत नहीं हुई, क्योंकि पहला हफ्ता शोर-शराबे में ही जाने की एक परंपरा सी बन गई है,लेकिन यह सत्र थोड़ा अलग रहा। विपक्ष ने इसका चलना अपने लिए अस्तित्व की लड़ाई बना लिया और डर था पसिसीमन विधेयक का। सरकार की ओर से संकेत था कि संविधान संशोधन के लिए जरूरी नंबर से कुछ अधिक उसके पास हैं। इसके चलते अलग-अलग मुद्दों को तूल देकर सत्र ही नहीं चलने दिया गया। बार-बार मुद्दे बदले गए पर ध्येय एक था-संसद रोको। न रहे बांस, न बजे बासुंरी।

कांग्रेस को पता है कि परिसीमन तो होगा,लेकिन अभी रोक लिया तो 2029 के चुनाव तक एक बाजी और लगाने का बल बचा रहेगा। अगर लोकसभा सदस्यों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो गई तो बचे हुए दो-ढाई साल में ज्यादा मशक्कत न हो पाएगी। सीटों का बदला हुआ स्वरूप अलग रंग दिखाएगा और 2029 गंवाने का अर्थ है 20 साल सत्ता से बाहर रहना, जो जाहिर तौर पर कांग्रेस और उसके कई नेताओं के लिए अस्तित्व बचाने की बात होगी, लेकिन क्या कांग्रेस को इसकी याद दिलानी होगी कि देश के बहुत बड़े हिस्से से वह 30-40 वर्षों से भी ज्यादा वक्त से सत्ता से बाहर है। अगर संविधान के अनुच्छेद 81 और 170 के तहत 2027 की जनगणना के आधार पर परिसीमन पर हुआ तो कांग्रेस के सामने संकट होगा। कांग्रेस फिलहाल हिमाचल के साथ दक्षिण के तीन राज्यों में सत्ता में है। क्या तब कांग्रेस संविधान को चुनौती देगी,क्योंकि वैसी स्थिति में तो सपा भी परिसीमन के समर्थन में खड़ी होगी और राजद एवं उत्तर भारत के अन्य दल भी।

आत्मनिर्भरता से विकसित भारत की ओर आजादी की उड़ान

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

15 अगस्त भारत के राष्ट्रीय जीवन का वह गौरवपूर्ण दिन है, जब हमारी धरती ने पराधीनता की लंबी रात के बाद स्वतंत्रता का सूर्य देखा था। 2026 में हम स्वतंत्रता का 80वां दिवस मना रहे हैं। यह केवल अतीत के गौरव को याद करने का अवसर नहीं,बल्कि यह आत्ममंथन करने का भी समय है कि जिन सपनों के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, उन सपनों को हमने कितना साकार किया और अब 2047 में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को कैसा बनाना है। 1947 ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दी थी,लेकिन 2047 का लक्ष्य हमें आर्थिक, सामाजिक,तकनीकी,सामरिक और नैतिक रूप से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने का है।

स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता तब सार्थक होगी,जब प्रत्येक नागरिक भय,अभाव,अशिक्षा,बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की असमानता से मुक्त हो। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे,जब लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की प्रक्रिया न रहकर जनकल्याण का माध्यम बने,जब राजनीति में सेवा,सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समाज में संवेदना प्रतिष्ठित हो। आजादी की पहली पीढ़ी ने देश को गुलामी से मुक्त किया था,आज की पीढ़ी को देश को निर्भरता,पिछड़ेपन और आत्महीनता से मुक्त करना है। पिछले वर्षों में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बार-बार देश को आत्मनिर्भरता,नवाचार और युवाशक्ति का मंत्र दिया है। 2025 के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों,प्रतिभाशाली युवाओं और शोधकर्ताओं का आह्वान करते हुए पूछा कि भारत अपने लड़ाकू विमानों के लिए जेट इंजन स्वयं क्यों नहीं बना सकता। उन्होंने सेमीकंडक्टर से लेकर अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और रक्षा तक भारतीय प्रतिभा को अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं के विचारों को रोकने के बजाय उन्हें अवसर देने और उनके नवाचार को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बदलाव केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। आज छोटे शहरों,कस्बों और गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं स्टार्टअप,अंतरिक्ष,खेल,विज्ञान,डिजिटल तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से यह भी रेखांकित किया है कि भारत के युवाओं ने देश को दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थान दिलाया है और अनेक छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवा नई तकनीकी संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

आत्मनिर्भर भारत इसी बदलती मानसिकता का परिणाम है। आत्म निर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं,बल्कि दुनिया के साथ बराबरी से खड़े होकर अपने सामर्थ्य के आधार पर प्रतिस्पर्धा करना है। भारत अब केवल आयात करने वाला विशाल बाजार नहीं रहना चाहता;वह निर्माण करने,नवाचार करने और दुनिया को निर्यात करने वाला देश बन रहा है। मोबाइल,इलेक्ट्रॉनिक्स,ऑटोमोबाइल, फार्मा,रक्षा उपकरण,अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल सेवाओं में भारत की क्षमता लगातार बढ़ी है। गैर-पेट्रोलियम वस्तुओं के निर्यात ने भी नए रिकॉर्ड बनाए हैं,जबकि सेवाओं के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति लगातार मजबूत हुई है। आत्म निर्भरता की सबसे प्रभावशाली तस्वीर रक्षा क्षेत्र में दिखाई देती है। कभी भारत विश्व के बड़े हथियार आयातकों में गिना जाता था,लेकिन अब स्वदेशी उत्पादन और रक्षा निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के रक्षा निर्यात ने 38,424 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड स्तर हासिल किया,जो पिछले वर्ष

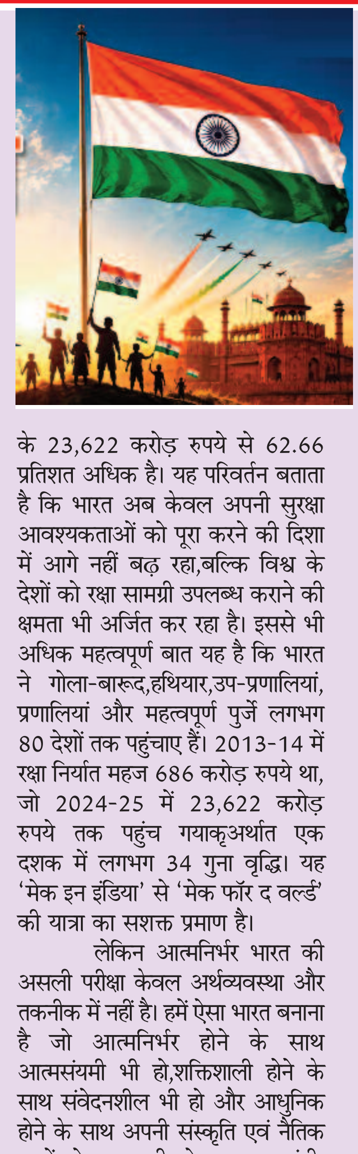

के 23,622 करोड़ रुपये से 62.66 प्रतिशत अधिक है। यह परिवर्तन बताता है कि भारत अब केवल अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा,बल्कि विश्व के देशों को रक्षा सामग्री उपलब्ध कराने की क्षमता भी अर्जित कर रहा है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने गोला-बारूद,हथियार,उप-प्रणालियां, प्रणालियां और महत्वपूर्ण पुर्जे लगभग 80 देशों तक पहुंचाए हैं। 2013-14 में रक्षा निर्यात महज 686 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गयाकृअर्थात एक दशक में लगभग 34 गुना वृद्धि। यह 'मेक इन इंडिया' से 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की यात्रा का सशक्त प्रमाण है।

लेकिन आत्मनिर्भर भारत की असली परीक्षा केवल अर्थव्यवस्था और तकनीक में नहीं है। हमें ऐसा भारत बनाना है जो आत्मनिर्भर होने के साथ आत्मसंयमी भी हो,शक्तिशाली होने के साथ संवेदनशील भी हो और आधुनिक होने के साथ अपनी संस्कृति एवं नैतिक जड़ों से जुड़ा भी हो। महात्मा गांधी, भगवान महावीर और भगवान बुद्ध ने हमें बताया था कि विकास का अंतिम लक्ष्य मनुष्य की गरिमा और समाज में शांति है। यदि तकनीक बढ़ती जाए लेकिन मनुष्यता घटती जाए,यदि संपन्नता बढ़े लेकिन संवेदना कम हो जाए, यदि अधिकारों की मांग बढ़े लेकिन कर्तव्यबोध समाप्त हो जाए तो स्वतंत्रता अधूरी ही रहेगी। हमारे सामने आज भी गरीबी,बेरोजगारी,असमानता,भ्रष्टाचार, सामाजिक तनाव,हिंसा,पर्यावरण संकट और डिजिटल असमानता जैसी चुनौतियां हैं। इसलिए स्वतंत्रता दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का संकल्प भी है। हमें ऐसी नागरिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें सत्य, शुचिता,सहिष्णुता,अनुशासन,परस्पर सम्मान और राष्ट्रहित सर्वोपरि हों। लोकतंत्र की मजबूती केवल संसद या सरकार से नहीं होती; वह नागरिक के चरित्र से होती है। लोकतंत्र को मजबूत संसद के साथ मजबूत समाज और जिम्मेदार नागरिक भी चाहिए। आज का भारत विश्व की युवा शक्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य मूलतः युवाओं का लक्ष्य है, क्योंकि आज का युवा ही 2047 के भारत का नेतृत्व करेगा। प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत/2047 रू वॉइस ऑफ यूथ'पहल के माध्यम से युवाओं को केवल भविष्य के लाभार्थी नहीं,बल्कि परिवर्तन के एजेंट के रूप में सामने रखा है। इसीलिए 2026 के स्वतंत्रता दिवस अभियान का केंद्र भी युवाओं को एक मजबूत,आत्मनिर्भर,नवाचारी और भविष्य के लिए तैयार भारत के निर्माण से जोड़ना है। सरकारी 'माय भारत' पहल में युवाओं की भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है। 2047 की यात्रा में हमें युवाओं से केवल नौकरी पाने की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए;उन्हें रोजगार देने वाला, समस्या का समाधान खोजने वाला,नवाचार करने वाला और समाज का नेतृत्व करने वाला बनाना होगा। शिक्षा को डिग्री से कौशल, कौशल से रोजगार और रोजगार से उद्यमिता की ओर ले जाना होगा। गांव का युवा भी अंतरिक्ष में अवसर देखे, छोटे शहर की बेटी भी विज्ञान और तकनीक में विश्वस्तरीय पहचान बनाए,किसान का बेटा भी एग्रीटेक उद्यमी बने और सामान्य परिवार का युवा भी स्टार्टअप के माध्यम से हजारों लोगों के लिए रोजगार पैदा करे,यही नए भारत की तस्वीर है।
आजादी की पहली लड़ाई में युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत को स्वतंत्र बनाया था। 2047 के भारत की लड़ाई में युवाओं को ज्ञान,नवाचार, चरित्र,परिश्रम और राष्ट्रभावना को अपना हथियार बनाना होगा। यदि 1947 की पीढ़ी ने पूछा था,'भारत को आजाद कैसे कराएं?',तो आज की पीढ़ी को पूछना होगा-'भारत को दुनिया का विकसित, समर्थ, शांतिपूर्ण और नैतिक नेतृत्व करने वाला राष्ट्र कैसे बनाएं?'स्वतंत्रता की सार्थकता इसी प्रश्न के उत्तर में छिपी है। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां विकास की चमक के साथ मानवीयता की रोशनी भी हो; जहां विज्ञान आगे बढ़े तो संस्कार भी साथ चलें; जहां अर्थव्यवस्था मजबूत हो तो समाज भी समरस हो; जहां भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी पर निर्भर न हो और विश्व की शांति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

आज जब तिरंगा लाल किले की प्राचीर पर लहराएगा,तब हमें केवल यह नहीं कहना चाहिए कि भारत स्वतंत्र है, बल्कि यह संकल्प भी लेना चाहिए कि हम इस स्वतंत्रता को अधिक सार्थक, अधिक जिम्मेदार और अधिक जन कल्याणकारी बनाएंगे। 2047 का विकसित भारत सरकार का अकेला सपना नहीं,140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने भी 2047 को नागरिकों के सपनों और संकल्पों से जोड़ते हुए स्पष्ट किया है कि विकसित भारत का निर्माण प्रत्येक भारतीय की भागीदारी से होगा। आजादी के अमृत से लेकर स्वतंत्रता के 80वें पड़ाव तक भारत ने लंबी यात्रा तय की है। अब अगला पड़ाव केवल आर्थिक शक्ति बनना नहीं,बल्कि विश्वास,विवेक,विज्ञान,संस्कार और सामर्थ्य से सम्पन्न भारत बनना है। शहीदों ने हमें स्वतंत्र भारत सौंपा था; अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसा भारत सौंपें जिस पर उसे गर्व हो। 'यही स्वतंत्रता का नया आयाम है,यही 2047 की ओर बढ़ते भारत का संकल्प है और यही हमारे तिरंगे के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।'

भारतीय राजनीति में महात्मा गांधी आज भी प्रासांगिक एव अद्वितीय हैं...

लाल बिहारी लाल
नई दिल्ली

भारत में सत्ता दिल्ली सलतनत से मुगल साम्राज्य फिर मुगल से जब सत्ता अंग्रैजो के हाथ में गई तो पहले अंग्रैजों का व्यापारिक उदेश्य था पर धीरे-धीरे उनका राजनैतिक रुप भी समने नजर आने लगा। और वे अपने इस कुटिल चाल में कामयाब भी हो गये । धीरे-धीरे उनके क्रिया-कलापों के प्रति जनमानस में असंतोष की भावना पनपने लगी इसी का परिणाम सन 1857 के सिपाही विद्रोह के रुप में देखने को मिला।

सन 1857के विद्रोह के बाद जनमानस संगठित होने लगा और अंग्रैजों के विरुद्ध लामबंद होने लगा। प्रबुद्ध लोगों और आजादी के दीवानों द्वारा सन 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की गई। प्रारंभिक 20 वर्षों में 1885 से 1905 तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर उदारवादी नेताओ का दबदबा रहा। इसके बाद धीरे-धीरे चरम पंथी(गरमदल) नेताओ के हाथों में बागडोर जाने लगी। इसी बीच महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से 9 जनवरी 1915 को स्वदेश (मुम्बई)में कदम रखा तभी से हर साल 9 जनवरी को पर साल प्रवासी दिवस मनाते आ रहे हैं। जब गांधी जी स्वदेश आये तो उन्हें गोपाल कृष्ण गोखले ने सुभाव दिया कि आप देश में जगह-जगह भ्रमण कर देश की स्थिति का अवलोकन करें। अपने राजनैतिक गुरु गोखले के सुझाव पर गांधी जी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से भ्रमण करते हुए बंगला के मशहुर लेखक रविन्द्र नाथ टैगोर से मिलने शांति निकेतन पहुँचे। वही पर टैगोर ने सबसे पहले गांधी जी को महात्मा कहा था और गांधी जी ने टैगोर को गुरु कहा था। गाँधी जी हमेशा थर्ड क्लास में यात्रा करते थे ताकि देश की वास्तविक स्थिति से अवगत हो सके। मई 1915 में गांधी जी ने अहमदाबाद के पास कोचरब में अपना आश्रम स्थापित किया लेकिन वहाँ प्लेग फैल जाने के कारण साबरमती क्षेत्र में आश्रम की स्थापना की। दिसम्बर 1915 में कांग्रेस के मुम्बई अधिवेशन में गांधी जी ने भाग लिया गांधी जी ने यहाँ विभाजित भारत को महसूस किया देश अमीर-गरीब,स्वर्ण-दलित,हिन्दू-मुस्लिम,नरम-गरम विचारधारा,रुढ़ि वादी आधुनिक भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के समर्थक,ब्रिटिश विरोधी जिनको इस बात

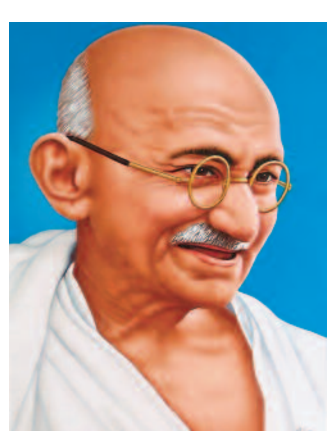

का बहुत कष्ट था कि देश गुलाम है। गांधी जी किसके पक्ष में खड़े हों या सबको साथ लेकर चले। गांधी जी उस समय के करिश्माई नेता थे जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका में सबको साथ लेकर सबके अधिकारों की लड़ाई लड़ी थी7

गांधी जी ने पहली बार देश में सन 1917 में बिहार के चम्पारन में सत्याग्रह किया7 उनका आन्दोलन जन आन्दोलन होता था । चंपारण में नील किसानों के तीन कठियाविधि से मुक्ति दिलाई और अंग्रैजों से अपनी बात मनवाने में कामयाब हुए। गरीबों को सुत काटने एवं उससे कपड़े बनाने की प्रेरणा दी जिससे इनके जीवन-यापन में गुणात्मक सुधार आया।

गुजरात क्षेत्र का खेडा क्षेत्र -बाढ़ एवं अकाल से पीड़ित था जैसे सरदार पटेल एंव अनेक स्वयं सेवक आगे आये उन्होंने ब्रिटिश सरकार से कर राहत की माँग की । गांधी जी के आगे अंग्रैजो को झुकना पड़ा किसानों को कर देने से मुक्ति मिली सभी कैदी मुक्त कर दिए गये गांधी जी की ख्याति देश भर में फैल गई। यही नहीं खेड़ा क्षेत्र के निवासियों को स्वच्छता का पाठ पढाया। वहाँ के शराबियों को शराब की लत को भी छुडवाया। सन् 1914 से 1918 तक प्रथम विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों ने रालेटएक्ट के तहत प्रेस की आजादी पर प्रतिबंध लगा दिया, बिना जाँच के किसी को भी कारागार में डाला जा सकता था । गांधी जी ने देशभर में रालेट एक्ट के विरुद्ध अभियान चलाया।पंजाब में इस एक्ट का विशेष रूप से विरोध हुआ पंजाब जाते समय में गांधी जी को कैद कर लिया गया साथ ही स्थानीय कांग्रेसियों को भी कैद कर लिया गया । 13 अप्रैल को 1919 बैसाखी के पर्व पर जिसे हिन्दू मुस्लिम सिख सभी मनाते थे अमृतसर के जलियांवाला बाग में लोग इकठ्ठे हुए थे। जलियांवालाबाग़ चारों तरफ से मकानों से घिरा था बाहर जाने के लिए एक ही गेट था वहाँ एक जनसभा में नेता भाषण दे रहे थे तभी जरनल डायर ने निकलने के एकमात्र रास्ते को रोक कर निर्दोष बच्चों स्त्रियों व पुरुषों को गोलियों से भून डाला एक के ऊपर एक गिर कर लाशों के ढेर लग गये जिससे पूरा देश आहत हुआ गांधी जी ने खुल कर ब्रिटिश सरकार का विरोध किया अब एक ऐसे देशव्यापी आन्दोलन की जरूरत थी जिससे ब्रिटिश सरकार की जड़े हिल जाएँ ।

खिलाफत आंदोलन के जरीये हिन्दू-मुस्लिम एकता की बात हो या फिर असहयोग आंदोलन की गांधी जी ने अपना परचम अग्रैजों के विरुद्ध पूरे देश में लहरा दिया। दिसंबर 1921 में गांधी जी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। असहयोग आंदोलन का उद्देश्य अब स्वराज्य हासिल करना हो गया। गांधी जी ने अध्यक्ष बनते ही कांग्रेस को राष्ट्रीय फलक पर पहुँचाने की बात की। इन्होंने एक अनुशासनात्मक समिति का गठन किया। 1925-1928 तक गांधी जी ने समाज सुधार के लिए भी काफी काम किया। धीरे-धीरे कांग्रेस का दबदबा पूरे देश में बढ़ता गया। और राष्ट्र की भावना को प्रेरित कर देशवासियों को एक सूत्र में पिरोने का काम गांधी जी ने बाखूबी किया। चौराचौरी के घटना से असहयोग आंदोलन वापस ले लिया पर इन्होने अपनी बात को पूरजोर तरीके से रखना जारी रखा। इन्होने द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति से पहले जपान पर परमाणु बम से हमले की निंदा की,आहत भी हुए पर अपना सत्य और अहिंसा का मार्ग नहीं छोड़ा। सविनय अवज्ञा आंदोलन हो या सन 1942 में गांधी जी द्वारा अग्रैजों भारत छोड़ों आंन्दोलन में करो या मरो का नारा । आजादी की मांग में गांधी जी का योदगान धीरे धीरे शिखर को चुमने लगा। अंत में अग्रैज विवश हो गये और ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली के पहल पर कैबिनेट मिशन की घोषणा कर दी गई। ब्रिटिश कैबिनेट मिशन 24 मार्च 1946 को भारत आया। अंततः 15 अगस्त 1947 को भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र के रुप में दुनिया के पटल पर उदय हुआ। गांधी जी की हत्या 30 जनवरी 1948 को नई दिल्ली में नाथु राम गोड्से द्वारा कर कर दी गई । फिर भी भारतीय राजनीति में गांधी जी आज भी प्रासांगिक एवं अद्वितीय है। गांधी जी भारत के हर जनमानस में विद्यमान है।

आज़ादी अनमोल बड़ी

मोनिका डागा
आनंद,
चेन्नई,
तमिलनाडु

आज़ादी अनमोल बड़ी,
खोने मत देना इसको,
ताक में खड़ा शत्रु सदा,
सहेज कर रखना इसको ।
आज को अभी संवारना,
विपत्तियों से न हारना,
दुश्मन को शीघ्र मारना,
शत्रु को जल्दी पछाड़ना,
ये कलयुगी जमाना है,
झूठ का बोलबाला है,
सच्चाई ने ज़ख्म है सहें, अब
आगे और क्या कहें,
उलझकर मोह-माया में,
लूटने न देना इसको,
आज़ादी अनमोल बड़ी,
खोने मत देना इसको ।
खून की बही थी नदियॉं,
बीती थी लाखों सदियां,
वीरों ने दी कुर्बानियॉं,
न्यौछावर की जवानियॉं,
विपदाओं से जंग लड़ी,
चोट खाई थी बहुत बड़ी,
बिखरते गए आह न की,
मिटने की परवाह न की,
ताकि तुम स्वतंत्र जी सको,
अपने सब ख्वाब सी सको,
आज़ादी अनमोल बड़ी,
खोने मत देना इसको ।
सभी देशहित भूल गए,
अधंकार की ओर गए,
लड़ें युवा बूढ़े बच्चे,
जाति-पाति का स्वांग रचे,
आज चलन है नया चला,
ये जीवन स्वार्थ में पला,
उथल-पुथल भारी भरकम,
देते मॉं को दुख हरदम,
भारत को स्वतंत्र रहने दो,
क्यों दुःखी करना इसको,
आज़ादी अनमोल बड़ी,
खोने मत देना इसको ।
कैसे कर्ज चुकाओगे,
कैसे मुॅंह दिखलाओगे,
थोड़ा इस पर गौर करों, गलत
चाल से जरा डरों,
कानाफूसी में अटके,
तभी राह से हो भटके,
याद करों कर्तव्य अपना,
अखण्ड भारत है अपना,
ये मातृभूमि है अपनी,
नव आनंद देना इसको,
आज़ादी अनमोल बड़ी,
खोने मत देना इसको ।

उपलब्धियों का उत्सव,आत्ममंथन का अवसर

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

15 अगस्त भारत की आत्मा, स्वाभिमान और सामूहिक संकल्प का उत्सव है। यह वह ऐतिहासिक क्षण है, जब सदियों की पराधीनता के बाद भारत ने स्वतंत्रता का अमृत प्राप्त किया और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित एक नए युग की शुरुआत की। स्वतंत्रता के 79 वर्षों की इस यात्रा में भारत ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं,अनेक चुनौतियों का सामना किया है और अनेक ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं,जिन पर प्रत्येक भारतीय गर्व कर सकता है। आज जब पूरा देश तिरंगे के सम्मान में एकजुट होकर स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, तब यह अवसर केवल उपलब्धियों का उत्सव मनाने का ही नहीं बल्कि आत्ममंथन और भविष्य के संकल्प का भी है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह अपने आप में एक ऐसी उपलब्धि है, जिसकी मिसाल दुनिया में बहुत कम मिलती है। विविध भाषाओं, संस्कृतियों, धर्मों और परंपराओं से समृद्ध इस देश ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को न केवल सफलतापूर्वक अपनाया बल्कि उसे लगातार सशक्त भी बनाया। करोड़ों मतदाता नियमित रूप से चुनावों में भाग लेते हैं,सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण होता है और संविधान सर्वोच्च मार्गदर्शक के रूप में देश को दिशा देता है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने विकास की जिस यात्रा का आरंभ किया था, वह आज वैश्विक स्तर पर एक

नई पहचान बना चुकी है। कभी खाद्यान्न संकट से जूझने वाला देश आज दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादकों में शामिल है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान में भारतीय वैज्ञानिकों ने सीमित संसाधनों के बावजूद ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं,जिन्होंने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। चंद्रयान और आदित्य जैसे मिशनों ने सिद्ध कर दिया है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं बल्कि ज्ञान और नवाचार का नेतृत्व करने वाला देश बन रहा है।
डिजिटल क्रांति ने लोकतंत्र को नई शक्ति प्रदान की है। आज सरकारी सेवाएं डिजिटल माध्यम से लोगों तक पहुंच रही हैं। डिजिटल भुगतान,आधार,यूपीआई, ऑनलाइन शिक्षा,टेलीमेडिसिन और ई-गवर्नेंस जैसी व्यवस्थाओं ने शासन को अधिक पारदर्शी,तेज और नागरिक-केंद्रित बनाया है। ग्रामीण भारत भी डिजिटल परिवर्तन का सहभागी बन रहा है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं बल्कि लोकतंत्र को अधिक सहभागी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भारत की आर्थिक यात्रा भी प्रेरणादायक रही है। आज देश विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार, विनिर्माण, हरित ऊर्जा,सेमीकंडक्टर,रक्षा उत्पादन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उद्यमिता की नई संस्कृति विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार कर रही है।
निश्चित रूप से यह भी स्वीकार करना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता। उसकी वास्तविक सफलता तब मानी जाती है,जब संसद, विधानसभाएं, न्यायपालिका,मीडिया और नागरिक समाज अपनी-अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें। संसदीय बहसें जितनी सार्थक होंगी,नीतियां उतनी ही प्रभावी बनेंगी। स्वस्थ संवाद,रचनात्मक विपक्ष, जवाबदेह सरकार और जागरूक नागरिक,इन्हीं चार स्तंभों पर लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती निर्भर करती है। आज भारत अनेक नई चुनौतियों का भी सामना कर रहा है। तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियां,जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा,सामाजिक समरसता, रोजगार,शिक्षा की गुणवत्ता और तकनीकी परिवर्तन जैसे विषय हमारे सामने हैं। इन चुनौतियों का समाधान केवल सरकारों से नहीं बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से संभव है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब नागरिक केवल अधिकारों की बात न करें बल्कि अपने कर्तव्यों के प्रति भी समान रूप से सजग रहें। आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक मतभेद लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रहें। विचारों का संघर्ष लोकतंत्र की शक्ति है लेकिन व्यक्तिगत कटुता और संस्थाओं के प्रति अविश्वास उसकी कमजोरी बन

सम्मान का महापर्व

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

हमारे देश में ऋतुएँ अब केवल प्रकृति नहीं तय करतीं। समाज भी अपनी सुविधानुसार ऋतुएँ बना लेता है। कभी चुनाव की ऋतु आती है,कभी उद्घाटन की, कभी शिलान्यास की और इन सबसे ऊपर सम्मान की ऋतु। यह ऐसी ऋतु है जिसमें पेड़ों पर पत्तियाँ कम और लोगों के गले में मालाएँ अधिक दिखाई देती हैं। एक समय था जब सम्मान किसी व्यक्ति के पीछे भागता था। अब व्यक्ति सम्मान के पीछे भागता है। पहले लोग अपने काम में इतने डूबे रहते थे कि उन्हें पता ही नहीं चलता था कि समाज उन्हें कब पहचानने लगा। आज लोग पहले अपनी पहचान छपवाते हैं,फिर उसके अनुरूप कोई काम खोजते हैं।

सम्मान समारोहों का अपना अलग ही दर्शन है। मंच पर बैठे लोग इतने गंभीर दिखाई देते हैं जैसे अभी देश की अर्थव्यवस्था पर निर्णय लेने वाले हों। किंतु पाँच मिनट बाद वही लोग यह तय करने में व्यस्त हो जाते हैं कि पहले किसे शॉल ओढ़ाई जाए और किसे श्रीफल दिया जाए। राष्ट्र की दिशा कुछ देर के लिए शॉल की तहों में छिप जाती है।
मुझे एक सज्जन मिले। चेहरे पर संतोष ऐसा था जैसे उन्होंने हिमालय की सबसे ऊँची चोटी जीत ली हो। बोले, इस महीने मेरा सातवाँ सम्मान हुआ है। मैंने उत्सुक होकर पूछा, किस उपलब्धि के लिए। वे मुस्कुराए और बोले, उपलब्धि बाद में बताऊँगा,पहले फोटो देखिए। मैंने समझ लिया कि अब उपलब्धि तस्वीर में रहती है और परिश्रम एल्बम

के बाहर खड़ा रह जाता है।
आज सम्मान का सबसे बड़ा प्रमाणपत्र सोशल मीडिया है। समारोह समाप्त होने से पहले ही तस्वीरें उड़कर दुनिया भर में पहुँच जाती हैं। नीचे लिखा रहता है, अत्यंत विनम्रता के साथ सम्मान ग्रहण किया। मुझे हमेशा यह वाक्य पढ़कर आश्चर्य होता है। विनम्रता जितनी अधिक लिखी जाती है,उतनी ही कम दिखाई देती है। सच्ची विनम्रता को कभी घोषणा की आवश्यकता नहीं पड़ती।
समाज ने एक नया गणित खोज लिया है। आदमी की योग्यता उसके विचारों से नहीं, उसके सम्मान पत्रों की संख्या से मापी जाती है। दीवार पर जितने अधिक फ्रेम, उतना बड़ा विद्वान। किसी ने यह नहीं पूछा कि उन फ्रेमों के भीतर विचार भी हैं या केवल रंगीन कागज।
कुछ संस्थाएँ तो सम्मान बाँटने में ऐसी दक्ष हो गई हैं कि लगता है मानो उनके पास सम्मान की खेती हो। हर सप्ताह नई फसल तैयार हो जाती है। पुरस्कारों की ऐसी वर्षा होती है कि बादलों को भी ईर्ष्या होने लगे। फर्क केवल इतना है कि बादल खेतों को सींचते हैं और ये सम्मान कई बार अहंकार को। सबसे अधिक दया उन लोगों पर आती है जो सचमुच काम कर रहे हैं। विद्यालय में चुपचाप पढ़ाने वाला शिक्षक,रात भर अस्पताल में सेवा करने वाली नर्स,सड़क पर धूप में खड़ा सफाईकर्मी, खेत में पसीना बहाता किसान। इनके हिस्से में सम्मान कम और जिम्मेदारियाँ अधिक आती हैं। दूसरी ओर कुछ लोग ऐसे हैं जिनकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि वे हर मंच पर समय से पहले पहुँच जाते हैं। अब तो परिचय भी अद्भुत हो गया है। नाम से पहले इतने विशेषण लगा दिए जाते हैं कि नाम तक पहुँचते पहुँचते श्रोता थक जाता है। विश्वविख्यात, अंतरराष्ट्रीय, बहु आयामी,युगद्रष्टा,चिंतक,समाजसेवी, शिक्षाविद,साहित्य मनीषी। मुझे लगता है यदि विशेषणों पर कर लग जाए तो देश का बजट घाटे से बाहर आ जाए।

समारोहों में एक और अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है। मंच पर बैठे सभी लोग एक दूसरे का सम्मान करते हैं। आज आपने मुझे सम्मानित किया, कल मैं आपको कर दूँगा। परसों तीसरे सज्जन हम दोनों को कर देंगे। सम्मान का यह चक्र इतना पवित्र है कि इसमें काम का प्रवेश वर्जित है। काम कहीं बाहर खड़ा सोचता रहता है कि शायद अगली बार मेरी भी बारी आएगी।

कभी कभी मुझे लगता है कि भविष्य का इतिहासकार जब हमारे समय का अध्ययन करेगा तो लिखेगा कि यह वह युग था जिसमें लोग अपने परिचय से अधिक अपने अभिनंदन पत्रों का भार उठाते थे।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
सम्पादक

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
लक्ष्मी राजवाड़े
महिला बाल विकास मंत्री
छ0ग0 शासन

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देश वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
राम विचार नेताम
कृषि मंत्री,छ.ग. शासन

80 वें स्वतंत्रता दिवस पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
15th
HINDALCO
ADITYA BIRLA GROUP
हिन्डाल्को
इन्डस्ट्री लिमिटेड
सामरी बाक्साईड माईन्स

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
राजेश अग्रवाल
पर्यटन,संस्कृति,धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व
छ0ग0 शासन

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को
हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं...
स्व.गजेन्द्र नारायण सिंह
श्रीमती मुखरानी देवी
जी.एन.सेवा समिति अम्बिकापुर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
राम कुमार टोप्पो
विधायक
सीतापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
चिंतामणि महाराज
सांसद सरगुजा
छ.ग. शासन

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
प्रबोध मिंज
विधायक-लुण्ड्रा
सरगुजा,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
उद्धेश्वरी पैकरा
विधायक-सामरी
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ.ग.
सिद्धनाथ पैकरा
पूर्व सामरी विधायक
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक
बधाई एवं शुभकामनाएं...
टी.एस.सिंह देव
पूर्व उप मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़
आदित्य शरण सिंह देव
पूर्व उपाध्यक्ष
जिला पंचायत सरगुजा

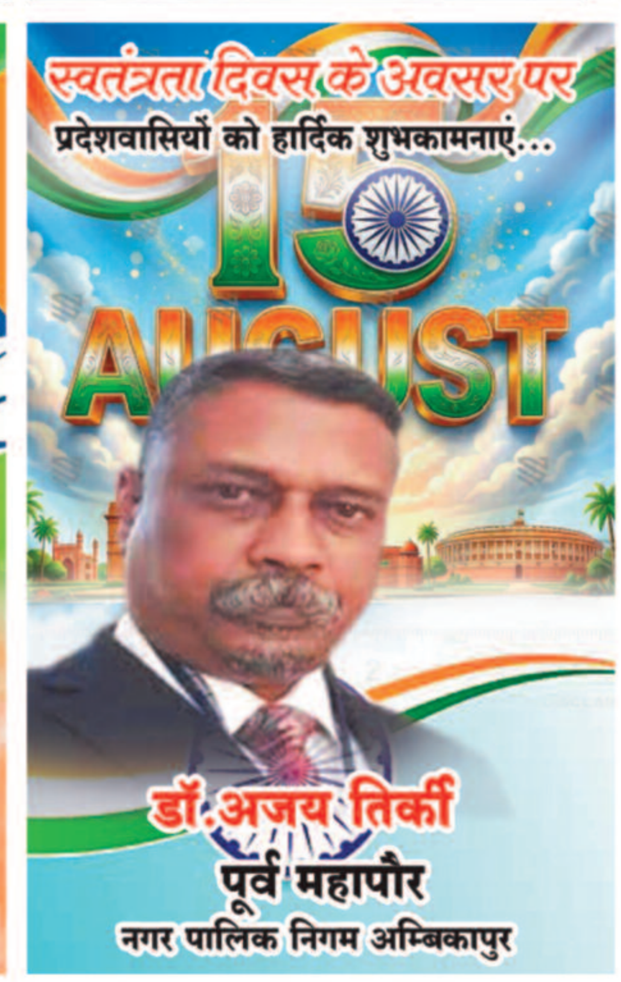
स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
15
AUGUST
डॉ.अजय तिर्की
पूर्व महापौर
नगर पालिक निगम अम्बिकापुर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
डॉ.आई.ए.खान सुरी
प्राचार्य
ओरियंटल पब्लिक स्कूल अम्बिकापुर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
विकास तिवारी
मुकेश दुबे
अम्बे ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज
बनारस रोड,चठीरमा,अम्बिकापुर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
15th
अतुल सिंह
ए कांट्रेक्टर
अम्बिकापुर,सरगुजा (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
बाबर ईदरिसी
कोषाध्यक्ष
कांग्रेस अल्प सख्यक प्रकोष्ठ सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अनुविभागीय अधिकारी
लोक निर्माण विभाग
उप संभाग-सीतापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

15 August

वन परिक्षेत्राधिकारी
वन परिक्षेत्र-धौरपुर
सरगुजा,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

वन परिक्षेत्राधिकारी
वन परिक्षेत्र-मैनपाट
सरगुजा,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

वन परिक्षेत्राधिकारी
वन परिक्षेत्र-लखनपुर
सरगुजा,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अनुविभागीय अधिकारी
लोक निर्माण विभाग
उप संभाग-2,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

उप पंजीयक
उप पंजीयक कार्यालय
के समस्त स्टाफ,अम्बिकापुर,सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

परियोजना अधिकारी
बाल विकास परियोजना,अधिकारी शहर
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

15 AUGUST

वन परिक्षेत्राधिकारी
वन परिक्षेत्र-अम्बिकापुर
के समस्त कर्मचारीगण
सरगुजा,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं..

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
के समस्त कर्मचारी, अम्बिकापुर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जिला शिक्षा अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
एवं समस्त कर्मचारी
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

15 AUGUST

उप संचालक
एवं रेशम विभाग अम्बिकापुर
के समस्त स्टाफ
सरगुजा,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

15 अगस्त

कार्यपालन अभियंता
राष्ट्रीय राज्य मार्ग
के समस्त कर्मचारी
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन विभाग
के समस्त कर्मचारी,अम्बिकापुर

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं..

15 August

अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत अम्बिकापुर
के समस्त स्टाफ सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

15 August
Independence Day
India

सहायक आयुक्त
आदिम जाति कल्याण विभाग
अम्बिकापुर के समस्त स्टाफ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

वन परिक्षेत्राधिकारी
वन परिक्षेत्र-रामानुजगंज
जिला-बलरामपुर-रा.गं.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अनुविभागीय अधिकारी
एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग-उदयपुर के
समस्त स्टाफ,सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सहायक अभियंता
एवं समस्त स्टाफ
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अनुविभागीय अधिकारी
लोक निर्माण विभाग, उप संभाग-1
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
स्वतंत्रता दिवस
राज्य अक्षय ऊर्जा अभिकरण (क्रेडा)
के समस्त स्टाफ अम्बिकापुर, सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अनुविभागीय अधिकारी
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
उप संभाग- सीतापुर,सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15 August
वन्दे मातरम्
अनुविभागीय अधिकारी
जल संसाधन उप संभाग-1
अम्बिकापुर के समस्त स्टाफ,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15 AUGUST
कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विद्युत यांत्रिकी विभाग
के समस्त स्टाफ, अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अनुविभागीय अधिकारी
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
उप संभाग-उदयपुर,सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
15 अगस्त
उप संचालक
पंचायत एवं समस्त कल्याण विभाग
अम्बिकापुर,सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला खनिज अधिकारी
एवं समस्त कर्मचारीगण
जिला खनिज कार्यालय
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
15AUGUST
HAPPY Independence DAY
कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण के समस्त कमचारी
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कार्यपालन अभियंता
छ.ग. मेडिकल सर्विसेस
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कार्यपालन अभियंता
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना
के समस्त कर्मचारी
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
Happy Independence day
अनुविभागीय अधिकारी
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा,उप संभाग क्र-1
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
यातायात प्रभारी
एवं समस्त स्टाफ
जिला-बलरामपुर,रामानुजगंज,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
15 AUG
HAPPY INDEPENDENCE DAY
जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
के समस्त कर्मचारी,अम्बिकापुर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अतिरिक्त क्षेत्रिय परिवहन अधिकारी
के समस्त कर्मचारी
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
वन परिक्षेत्र अधिकारी
एवं समस्त शंकरगढ़
जिला-बलरामपुर,रामानुजगंज,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
थाना प्रभारी
एवं समस्त स्टाफ शंकरगढ़
जिला-बलरामपुर,रामानुजगंज,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला प्रबंधक
नागरिक आपूर्ति निगम
अम्बिकापुर के समस्त स्टाफ
सरगुजा,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
उप संचालक
एवं समस्त स्टाफ
कृषि विभाग-अम्बिकापुर
सरगुजा,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
उप संचालक
उद्यानिकी विभाग
के समस्त स्टाफ,अम्बिकापुर
सरगुजा,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15 अगस्त
अनुविभागीय अधिकारी
जल संसाधन विभाग उप संभाग-3
लुण्ड्रा-बतौली, सरगुजा, छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
मुख्य कार्यपालन अधिकार
जनपद पंचायत-बतौली
सरगुजा,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
अनुविभागीय अधिकारी
जल संसाधन विभाग
उप संभाग-2 सीतापुर-मैनपाट, सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला आयुर्वेद अधिकारी
के समस्त स्टाफ
अम्बिकापुर,सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ जिला-बलरामपुर,रामानुजगंज,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
15 August
वन्दे मातरम्
वन परिक्षेत्र अधिकारी एवं समस्त स्टाफ
रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वन परिक्षेत्र अधिकारी
एवं समस्त कुसमी
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ जनपद पंचायत राजपुर
जिला-बलरामपुर-रा.गंज.(छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी विभाग
जिला-बलरामपुर,रामानुजगंज,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अनुविभागीय अधिकारी
एवं समस्त कर्मचारी गण जल संसाधन राजपुर
जिला-बलरामपुर,रा.गंज,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
15 अगस्त
वन परिक्षेत्राधिकारी
वन परिक्षेत्र-रामानुजगंज
जिला-बलरामपुर-रा.गं.

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
15 AUG
HAPPY INDEPENDENCE DAY
कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग
के समस्त कर्मचारी
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
के समस्त कर्मचारी, अम्बिकापुर

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
परिवहन अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ
जिला-बलरामपुर,रा.गंज,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
विकासखंड शिक्षा अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ राजपुर
जिला-बलरामपुर, रा.गंज,छ ग

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अनुविभागीय अधिकारी
जल संसाधन विभाग, उप संभाग-3
लुण्ड्रा-बतौली, सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अनुविभागीय अधिकारी
जल संसाधन विभाग, उप संभाग-2
सीतापुर-मैनपाट, सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
कार्यपालन अभियंता
एवं समस्त स्टाफ प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना
इकाई-राजपुर जिला-बलरामपुर रा. गंज,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मंडल संयोजक
एवं समस्त स्टाफ राजपुर
जिला-बलरामपुर रा. गंज,छ ग

विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस पर कार्यक्रम एवं छायाचित्र प्रदर्शनी आयोजित...विभाजन में प्राण गंवाने वालों को दीप प्रज्वलित कर दी श्रद्धांजलि

भारत का विभाजन केवल भूगोल का विभाजन नहीं था,यह लाखों परिवारों के घर,रिश्तों,सपनों और स्मृतियों का बिखराव था : मंत्री राजेश अग्रवाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त को जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में 'विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस' कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने विभाजन के दौरान प्राण गंवाने वाले लोगों की स्मृति में दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें नमन किया। उपस्थितजनों ने मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विभाजन की विभीषिका पर आधारित वीडियो भी प्रदर्शित किया गया। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि देश के विभाजन के समय हिंसा और घृणा के साए में विस्थापित हुए असंख्य लोगों के त्याग, संघर्ष और बलिदान की स्मृति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि भारत का विभाजन केवल भूगोल का विभाजन नहीं था,बल्कि लाखों परिवारों के घर, रिश्तों, सपनों और स्मृतियों का बिखराव था। यह दिवस उन सभी ज्ञात-अज्ञात पीड़ितों और विस्थापितों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को इतिहास की सत्यापित जानकारी से अवगत कराते हुए समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करना हम सभी का दायित्व है। हमें न तो इतिहास को भूलना है और न ही उसकी पीड़ा को नफरत का कारण बनने देना है। अतीत की स्मृतियों से सीख लेकर वर्तमान को सद्भाव के साथ संभालना और भविष्य के भारत को एकजुट,शांतिपूर्ण, संवेदनशील एवं शक्तिशाली राष्ट्र बनाना हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए। गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष श्री अनुराग सिंहदेव ने कहा कि विभाजन की त्रासदी देश के इतिहास का अत्यंत पीड़ादायक अध्याय है। इस दिवस का उद्देश्य विभाजन से प्रभावित लोगों के संघर्ष और बलिदान को याद करना तथा आने वाली पीढ़ियों को उस दौर की घटनाओं से अवगत कराना है। लुंड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए लाखों लोगों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को स्मरण कर श्रद्धांजलि देना इस दिवस का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि 'देश प्रथम' की भावना के साथ खड़ा होना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है और नई पीढ़ी को भी इस भावना से जोड़ना जरूरी है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कहा कि भारत का विभाजन देश के इतिहास का दुखद अध्याय है। विभाजन के दौरान हुए जान-माल के नुकसान और लोगों की पीड़ा को स्मरण करने के लिए इस दिवस का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह दिन उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि देने और उस दौर की स्मृतियों से सीख लेने का अवसर है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का संदेश दिया। उपस्थितजनों ने देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह,नगर निगम महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, निगम सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी,जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव, श्री अखिलेश सोनी, श्री भारत सिंह सिसोदिया, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल,अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक,एसडीएम श्री बनसिंह नेताम सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालयों के विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

विभाजन की त्रासदी को तस्वीरों में किया प्रदर्शित

कार्यक्रम स्थल पर विभाजन विभीषिका पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में देश के विभाजन के दौरान हुई त्रासदी के मार्मिक दृश्यों को छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इसमें स्वतंत्रता के समय पलायन करते शरणार्थियों के दृश्य, विभाजन से जुड़ी विभिन्न घटनाएं तथा तत्कालीन समाचार पत्रों में प्रकाशित लेख और अन्य ऐतिहासिक चित्र शामिल रहे। प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को विभाजन के दौर की परिस्थितियों और उसकी मानवीय पीड़ा से अवगत कराया गया।

सरहरी में 700 लोगों ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

'वंदे मातरम्' की 150वीं जयंती पर निकली रैली मानव श्रृंखला बनाकर किया सामूहिक गायन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी में 'वंदे मातरम्' की 150वीं जयंती के अवसर पर भव्य तिरंगा यात्रा, सभा, मार्गदर्शन एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में सरहरी संकुल के विद्यार्थियों, शिक्षकों, पालकों, ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली में करीब 700 लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर बैंड-बाजे के साथ पूरे ग्राम का भ्रमण किया। इस दौरान 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारों से पूरा गांव गूंज उठा। रैली के बाद सभी ने विशाल मानव श्रृंखला बनाकर सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' का गायन किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्राचार्य दिलीप तिवारी के स्वागत उद्बोधन से हुई। उन्होंने राष्ट्रीय एकता के महत्व पर प्रकाश डाला। राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए 'वंदे मातरम्' के इतिहास और महत्व की जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित लोगों को राष्ट्रसेवा, राष्ट्रीय एकता-अखंडता की रक्षा, राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान, सामाजिक सद्भाव और देश की प्रगति में योगदान देने की शपथ दिलाई। अंत में व्याख्याता विजय भारती ने आभार व्यक्त किया।

संकुल के स्कूलों ने लिया हिस्सा

तिरंगा यात्रा में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी के साथ संकुल के विभिन्न प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। इनमें भुईयापारा, नवापारा, मझापारा, पोंडी सहित सरहरी के विभिन्न विद्यालय शामिल रहे। सरहरी, पोंडी और सेमरा के पालक, अभिभावक और जनप्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त स्टाफ की सक्रिय भूमिका रही। शिक्षकों और कर्मचारियों ने रैली के आयोजन, विद्यार्थियों की सहभागिता तथा व्यवस्था में सहयोग किया।

'सब मनखे एक समान' का संदेश देने वाले संत गहिरा गुरु को नमन....

स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सामाजिक सुधार और पर्यावरण संरक्षण तक रहा योगदान, वनवासी समाज को संगठित कर जगाया राष्ट्रप्रेम का अलख

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

देश जब 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, तब छत्तीसगढ़ के वनांचलों में सामाजिक चेतना, राष्ट्रप्रेम और सुधार की अलख जगाने वाले संत गहिरा गुरु (रामेश्वर जी) का योगदान विशेष रूप से स्मरणीय हो उठता है। उनका जीवन केवल आध्यात्मिक साधना और समाज सुधार तक सीमित नहीं था, बल्कि वे प्रखर राष्ट्रभक्त भी थे। तत्कालीन धर्मजयगढ़ रियासत के लैलूंगा क्षेत्र के ग्राम गहिरा में सावन अमावस्या को जन्मे संत गहिरा गुरु महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और आत्म-अनुशासन के विचारों से प्रभावित थे। गांधीवादी विचारधारा को समझने के लिए उन्होंने साबरमती आश्रम जाकर महात्मा गांधी से मिलने का प्रयास किया था। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों और स्थानीय शोषण के खिलाफ संत गहिरा गुरु ने वनवासी समाज को संगठित किया। वे दुर्गम रास्तों से गहिरा से रायगढ़ तक पैदल गए थे, लेकिन तब तक महात्मा गांधी सहित कई बड़े नेता गिरफ्तार हो चुके थे। गांधीजी से मुलाकात नहीं हो सकी और वे वापस अपने गांव लौट आए। इसके बाद भी वे लगातार आदिवासी समाज को जागरूक और संगठित करते रहे।

नोआखाली में गांधीजी के शांति प्रयासों में साथ : 1946 में नोआखाली के सांप्रदायिक दंगों के दौरान महात्मा गांधी शांति स्थापना के लिए वहां पहुंचे थे। विषम परिस्थितियों में संत गहिरा गुरु भी गांधीजी के साथ खड़े रहे और सामाजिक सद्भाव कायम करने के प्रयासों में योगदान दिया।

चीन युद्ध के समय 'वानर सेना' की पेशकश : 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान संत गहिरा गुरु ने तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखकर देश की रक्षा के लिए वनवासी युवाओं के साथ सीमा पर जाने की इच्छा जताई थी। उन्होंने अपने अनुयायियों को संगठित कर देश की सुरक्षा में योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया था। उनका राष्ट्रप्रेम केवल विचारों तक सीमित नहीं था, बल्कि संकट के समय देश के साथ खड़े होने की भावना से जुड़ा था।

जल, जंगल, जमीन और संस्कृति की रक्षा का संदेश : संत गहिरा गुरु ने वनांचलों में नशामुक्ति, शिक्षा, सामाजिक सुधार और पर्यावरण संरक्षण को आंदोलन का स्वरूप दिया। उन्होंने 'सनातन संत समाज' के माध्यम से धर्म और संस्कृति के संरक्षण का प्रयास किया। दुर्गम क्षेत्रों में संस्कृत विद्यालयों की स्थापना कर शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया। जल, जंगल और जमीन की रक्षा को उन्होंने सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी बताया।

सम्मानों में सुरक्षित है विरासत :

21 नवंबर 1996 को 92 वर्ष की आयु में ब्रह्मलीन हुए संत गहिरा गुरु की सेवाओं को शासन ने विभिन्न सम्मानों से प्रतिष्ठित किया। उन्हें राष्ट्रीय एकता, समाज सेवा और सांप्रदायिक सौहार्द के क्षेत्र में सम्मान मिला। उनके नाम पर पर्यावरण संरक्षण के लिए 'संत गहिरा गुरु पर्यावरण पुरस्कार' की स्थापना की गई। सरगुजा स्थित विश्वविद्यालय का नाम भी उनके सम्मान में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय रखा गया है।

आज भी प्रासंगिक है 'सब मनखे एक समान

संत गहिरा गुरु का संदेश 'सब मनखे एक समान' आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उनके 14 सूत्रों में नशामुक्ति, सदाचार, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समानता का संदेश निहित है। स्वतंत्रता दिवस पर उनका जीवन हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि राष्ट्रप्रेम केवल उत्सव तक सीमित न रहे, बल्कि समाज, प्रकृति और देश के प्रति जिम्मेदारी के रूप में हमारे आचरण में दिखाई दे।

साइबर क्राइम के विरुद्ध छत्तीसगढ़ पुलिस का 'साइबर जागृति अभियान'

15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक सात सप्ताह चलेगा प्रदेशव्यापी अभियान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

साइबर अपराध के प्रति प्रदेशवासियों को जागरूक एवं सुरक्षित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर 2026 तक 'साइबर जागृति अभियान' चलाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस से शुरू होने वाला यह अभियान साइबर अपराध के खिलाफ जनभागीदारी बढ़ाने और छत्तीसगढ़ को साइबर अपराध मुक्त बनाने की दिशा में अभिनव पहल है। छत्तीसगढ़ पुलिस के इस अभियान की मुख्य थीम 'साइबर जागृति की एक सेल्फी' है। प्रदेशवासी छत्तीसगढ़ पुलिस अथवा संबंधित जिला पुलिस के सोशल मीडिया हैंडल पर जारी लिंक पर क्लिक कर अथवा क्यूआर कोड स्कैन कर जागरूकता संदेश वाली सेल्फी फ्रेम में अपनी तस्वीर ले सकेंगे। इसके बाद इस सेल्फी को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा करेंगे। इससे साइबर सुरक्षा का संदेश उनके मित्रों, फॉलोअर्स और अन्य लोगों तक पहुंचेगा।

आईजी और एसपी ने क्यूआर कोड स्कैन कर शुरू किया अभियान : राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री द्वारा अभियान का शुभारंभ किया गया। वहीं सरगुजा जिले में पुलिस महानिरीक्षक श्री दीपक कुमार झा एवं पुलिस अधीक्षक सरगुजा डीआईजी श्री राजेश कुमार अग्रवाल ने प्रेसवार्ता के दौरान अभियान की लिंक एवं क्यूआर कोड जारी कर इसकी शुरुआत की। दोनों अधिकारियों ने स्वयं क्यूआर कोड स्कैन कर सेल्फी ली और उसे सोशल मीडिया पर साझा किया। आईजी एवं एसपी ने जिलेवासियों से अभियान में अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की। उन्होंने सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों, संस्थानों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, प्रोफेशनल्स और कलाकारों से भी अभियान का हिस्सा बनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह देश की आजादी के लिए करोड़ों देशवासी एकजुट हुए थे, उसी तरह साइबर अपराध के खिलाफ भी सामूहिक जागरूकता जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से 'साइबर जागृति की एक सेल्फी' लेकर सोशल मीडिया पर साझा करने तथा साइबर अपराध रोकने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

सात सप्ताह में अलग-अलग विषयों पर जागरूकता : अभियान के तहत 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक सात सप्ताह में अलग-अलग वर्गों को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा।

- **पहला सप्ताह:** स्कूल-कॉलेजों में डिजिटल सतर्कता और बुनियादी साइबर सुरक्षा पर अभियान।
- **दूसरा सप्ताह:** बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों में वित्तीय धोखाधड़ी और यूपीआई सुरक्षा को लेकर जागरूकता।
- **तीसरा सप्ताह:** वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजिटल अरेस्ट और फर्जी कॉल के विषय पर टाउन हॉल कार्यक्रम।
- **चौथा सप्ताह:** महिला कॉलेजों और सामुदायिक समूहों में स्मार्टफोन प्राइवेसी एवं सुरक्षित ब्राउजिंग को लेकर जागरूकता।
- **पांचवां सप्ताह:** रोजगार कार्यालयों, आईटीआई एवं कौशल विकास केंद्रों में जॉब फ्रॉड और फिशिंग से बचाव की जानकारी।
- **छठा सप्ताह:** डेटा प्राइवेसी एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग को लेकर जागरूकता अभियान।
- **सातवां सप्ताह:** ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में गांधी जयंती के अवसर पर 'साइबर मुक्त छत्तीसगढ़' संकल्प अभियान।

क्यूआर कोड और सोशल मीडिया से होगा व्यापक प्रचार : जिला पुलिस टीमों और स्थानीय थानों द्वारा सार्वजनिक स्थानों, चौक-चौराहों, पार्कों एवं बाजारों में पोस्टर-बैनर के माध्यम से क्यूआर कोड का प्रचार किया जाएगा। राज्य एवं जिला पुलिस के सोशल मीडिया हैंडल तथा व्हाट्सऐप ग्रुप के माध्यम से भी अभियान की लिंक साझा कर लोगों को सेल्फी लेने और सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

आरागाही में स्कूली छात्राओं को वितरित की गई साइकिलें

-संवाददाता-
बलरामपुर,14 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरगाही में सरस्वती साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को सरस्वती साइकिल योजना के तहत साइकिलें वितरित की गईं। साइकिल मिलने से छात्राओं के चेहरों पर खुशी और उत्साह नजर आया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष रामचंद्रपुर अध्यक्ष मुंद्रिका सिंह, उपाध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने छात्राओं को साइकिल प्रदान करते हुए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना का उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय तक पहुंचने में सुविधा उपलब्ध कराना और उन्हें शिक्षा से जोडक़र उनके भविष्य को बेहतर बनाना है। साइकिल मिलने से विद्यालय से दूर रहने वाली छात्राओं को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

चिकित्सा महाविद्यालय में जिला स्तरीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय के मेडिकल लेक्चर हॉल में अटल आरोग्य लैब एवं चिकित्सालय के सौजन्य से जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें हिमोग्लोबिन संबंधित बिमारी जैसे सिकलसेल, थैलेसिमिया, मल्टीपल माइलोमा, कैंसर संबंधित बिमारी की एडवांस जांच की जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि केन्द्र सरकार की महत्वकांक्षी Free Diagnosis service Initiative योजना के तहत जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र व शासकिय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय में अटल आरोग्य लैब स्थापित किया गया है। जिसमें 134 प्रकार के एडवांस जांच की सुविधा दी जा रही है। आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में जिले के 70 से अधिक शासकीय चिकित्सक शामिल हुए तथा जिले की भौगोलिक स्थिति में मौसमी व जन्म जात बिमारियों पर चर्चा की गई।दिल्ली से आए विषय विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सिद्धार्थ शर्मा द्वारा जेनेटिक बीमारियों पर प्रकाश डाला गया एवं बताया गया कि जेनेटिक बिमारियों की रोकथाम हेतु क्या-क्या उपाय किए जा सकते हैं तथा कैसे अटल आरोग्य लैब के एडवांस मशीनें हमारी मदद कर सकती हैं।अटल आरोग्य लैब द्वारा आयोजित यह संगोष्ठी अपने तरह की पहली संगोष्ठी थी, जो सरगुजा अंचल में आयोजित की गई तथा इसका लाभ आने वाले समय में जिले के दूरस्थ क्षेत्र में निवास करने वाले मरीजों एवं उनके परिवारों को मिल सकेगा।

संगोष्ठी में शा.चि.महा. के डीन डॉ अविनाश मेश्राम, शा.चि.महा. संबद्ध चिकित्सालय के चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. आर.सी. आर्या, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को, जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी, नोडल अधिकारी अटल आरोग्य लैब डॉ. दीपक गुप्ता के साथ सभी विभागाध्यक्ष, सह प्राध्यापक तथा सहायक प्राध्यापक समस्त चिकित्सक, लैब टैक्नीशियन व स्टाफ उपस्थिति रहे।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय कन्या छात्रावास का किया शुभारंभ

छात्राओं को मिलेगी बेहतर आवासीय सुविधा,सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण में कर सकेंगी अध्ययन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज अम्बिकापुर के केशवपुर स्थित स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय कन्या छात्रावास का शुभारंभ किया। छात्रावास के प्रारंभ होने से महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को बेहतर एवं सुरक्षित आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। विशेष रूप से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को इसका लाभ मिलेगा और उन्हें सुविधाजनक वातावरण में रहकर अपनी पढ़ाई निरंतर जारी रखने का अवसर प्राप्त होगा। इस अवसर पर लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव, पार्षद श्री आलोक दुबे, कलेक्टर श्री अजीत वसंत, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

100 सीटर छात्रावास से छात्राओं को मिलेगी आवासीय सुविधा : स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय कन्या छात्रावास 100 सीटर है। इसमें महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। छात्रावास की सुविधा मिलने से बाहर से आने वाली छात्राओं को आवागमन की परेशानी से राहत मिलेगी। साथ ही सुरक्षित एवं व्यवस्थित आवासीय वातावरण उपलब्ध होने से छात्राएं अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगी। छात्रावास का लाभ विशेष रूप से उन छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण होगा, जो दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अम्बिकापुर आती हैं। आवासीय सुविधा उपलब्ध होने से उनकी शिक्षा में निरंतरता बनी रहेगी और उन्हें रहने की सुविधा के अभाव में पढ़ाई छोड़ने जैसी परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सुरक्षा, प्लांटेशन एवं सीसी रोड के लिए मंत्री ने दिए निर्देश : शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने छात्रावास में छात्राओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावास परिसर में प्लांटेशन कराने तथा परिसर को हराभरा एवं आकर्षक बनाने पर भी जोर दिया। मंत्री श्री अग्रवाल ने मुख्य मार्ग से कन्या छात्रावास तक सीसी रोड निर्माण कराने के निर्देश भी दिए, ताकि छात्राओं एवं आगंतुकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को छात्रावास परिसर को सुव्यवस्थित रखने तथा छात्राओं को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

डीएमएफ एवं आदिवासी विकास विभाग से हुआ आवश्यक कार्य

कन्या छात्रावास में रिनोवेशन एवं आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए डीएमएफ मद से 17.53 लाख रुपये तथा आदिवासी विकास विभाग से 8.50 लाख रुपये की राशि व्यय की गई है। इन कार्यों के माध्यम से छात्रावास भवन में आवश्यक सुविधाओं का विस्तार करने के साथ परिसर का व्यवस्थित विकास किया गया है। उपलब्ध सुविधाओं एवं आवश्यक सुधार कार्यों से छात्राओं के लिए छात्रावास का वातावरण अधिक सुविधाजनक एवं उपयोगी बनाया गया है। छात्रावास के संचालन से महाविद्यालयीन छात्राओं को शिक्षा के साथ सुरक्षित आवासीय वातावरण भी उपलब्ध होगा।

छात्राओं की शिक्षा को मिलेगा प्रोत्साहन

कन्या छात्रावास के शुभारंभ को जिले में छात्राओं की उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। सुरक्षित आवासीय सुविधा मिलने से दूरस्थ क्षेत्रों की छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना अधिक सहज होगा। इससे छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होने के साथ उनके आत्मविश्वास और आगे बढ़ने के अवसरों में भी वृद्धि होगी।

देशभक्ति के सुरों से सजी एक शाम शहीदों के नाम

कैंडल रैली से दी गई अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि

-संवाददाता-
बलरामपुर,14 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश के वीर शहीदों के अमर बलिदान को स्मरण करते हुए जिला मुख्यालय स्थित ऑडिटोरियम भवन में एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सभी ने वंदे मातरम का गायन किया। तत्पश्चात् देशभक्ति से ओत-प्रोत इस शाम में स्कूली बच्चों और आम नागरिकों ने अपनी प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि पूरा ऑडिटोरियम राष्ट्रप्रेम की भावना से गूंज उठा। कार्यक्रम में बच्चों एवं नागरिकों ने देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। अधिकारियों, कर्मचारियों ने भी कविताओं और गजलों के माध्यम से शहीदों के त्याग, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति समर्पण को भावपूर्ण शब्दों में अभिव्यक्त किया। प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया और सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

स्वतंत्रता दिवस के पूर्व अम्बिकापुर में निकली सद्भावना स्वतंत्रता दौड़

खिलाड़ियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक लिया हिस्सा,शिक्षा के साथ खेलों में आगे बढ़ने का दिया संदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

स्वतंत्रता दिवस के पूर्व जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज सद्भावना स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ का शुभारंभ प्रातः 7:30 बजे शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अम्बिकापुर के खेल प्रांगण से हुआ। सद्भावना स्वतंत्रता दौड़ गुरू नानक चौक, महामाया चौक, संगम चैक, घड़ी चौक एवं गांधी चैक होते हुए गांधी स्टेडियम के मुख्य द्वार पर पहुंचकर संपन्न हुई। आयोजन में खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर अम्बिकापुर नगर निगम श्रीमती मंजुषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, नगर निगम अम्बिकापुर के सभापति श्री हरविन्दर सिंह टिन्नी, पार्षद श्रीमती नीलम राजवाड़े, पार्षद श्रीमती बबली नेताम, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश झा एवं परियोजना अधिकारी साक्षर भारत श्री गिरीश गुप्ता उपस्थित रहे। सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण सरगुजा श्री राम कुमार सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया। अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शिक्षा के साथ खेलों में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। आभार प्रदर्शन श्री देवेन्द्र सिन्हा ने किया।

सद्भावना दौड़ के परिणाम : कॉलेज वर्ग पुरुष में श्री याकुब किण्डो (पी.जी. कॉलेज अम्बिकापुर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूल वर्ग बालक में आयुष सिंह (विवेकानंद स्कूल अम्बिकापुर) प्रथम, आनंद कुजूर (सेंट जोनस स्कूल अम्बिकापुर) द्वितीय तथा प्रियांश टोप्पो (विवेकानंद स्कूल अम्बिकापुर) तृतीय स्थान पर रहे। स्कूल वर्ग बालिका में कु. कनिका राजवाड़े (शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर) प्रथम, कु. अंजू सिंह पैकरा (शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर) द्वितीय तथा कु. प्रतिमा सिंह (शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मणिपुर) तृतीय स्थान पर रहीं।

विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का मंच संचालन श्री राकेश मिश्रा, प्रधान पाठक, सेजेस ब्रम्हपारा अम्बिकापुर तथा श्रीमती सुनीता दास, व्याख्याता, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर ने किया। आयोजन को सफल बनाने में प्रभारी सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री विकास सिंह, वरिष्ठ कोच श्री ए.डी. दीवान, कोच श्रीमती लीलीग्रेस कुजूर सहित खेल प्रशिक्षकों, व्यायाम शिक्षकों एवं विभागीय कर्मचारियों का सहयोग रहा।

संकट की घड़ी में बढ़ाया मदद का हाथ,आशीर्वाद बने राहवीर...

कलेक्टर,एसपी ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित, 25 हजार रुपए का चेक की गई प्रदान

-संवाददाता-
बलरामपुर,14 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

शासन की मंशानुरूप जरूरतमंदों की सहायता पर प्रोत्साहित करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों को सम्मानित किया जा रहा है। इसी क्रम में सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की तत्काल मदद कर उन्हें अस्पताल पहुंचाने वाले आशीर्वाद गुप्ता को राहवीर योजना के तहत प्रशासन द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में आशीर्वाद गुप्ता को उनके मानवीय एवं सराहनीय योगदान के लिए कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं प्रोत्साहन के रूप में 25 हजार की राशि की डेमो चेक प्रदान गई। आशिर्वाद ने 25 मार्च 2026 को चौकी गणेशमोड क्षेत्र अंतर्गत हुई सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद के लिए तत्काल पहल की तथा उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके इस कार्य की सराहना करते हुए कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने कहा कि संकट की घड़ी में किसी जरूरतमंद की मदद के लिए आगे आना मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचायक है।

समय पर मिली छोटी-सी मदद भी किसी की जिंदगी बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। ऐसे कार्य समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं तथा अन्य नागरिकों को भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करते हैं। पुलिस अधीक्षक वैभव ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति के लिए गोल्डन ऑवर बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे समय में बिना किसी स्वार्थ के घायल की मदद कर उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाने वाला व्यक्ति वास्तव में राह-वीर है। ऐसे समय में आशीर्वाद गुप्ता ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने में मदद की, जो सराहनीय है।

दुर्घटना में घायल को देखकर न बनें मूकदर्शक, मदद के लिए बढ़ाएं हाथ : सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को देखकर मूकदर्शक न बनें, बल्कि तत्काल सहायता के लिए आगे आएं। आपकी कुछ मिनटों की तत्परता किसी की जिंदगी बचा सकती है और आपको भी एक राह-वीर बनने का अवसर दे सकती है। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि सड़क दुर्घटना की स्थिति में घायलों को तत्काल सहायता प्रदान करें तथा 112 हेल्पलाइन के माध्यम से आवश्यक सेवाओं का लाभ उठाकर पीड़ितों को शीघ्र उपचार उपलब्ध कराने में सहयोग करें। उल्लेखनीय है कि केंद्र शासन की राह-वीर योजना का उद्देश्य ऐसे ही संवेदनशील नागरिकों को प्रोत्साहित करना और सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए आमजन को प्रेरित करना है। योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की गोल्डन ऑवर में मदद कर अस्पताल पहुंचाने वाले पात्र व्यक्ति को 25,000 रुपए का पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

हर घर तिरंगा अभियान से जशपुर में गूंजा राष्ट्रप्रेम का संदेश...बिहान की महिलाओं ने लहराया तिरंगा

-संवाददाता-
जशपुरनगर,14 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जशपुर जिले में राष्ट्र प्रेम और देशभक्ति का उत्साह देखने को मिल रहा है। जिले के बिहान स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने अपने-अपने क्लस्टर एवं ग्राम पंचायतों में तिरंगा लहराकर अभियान का उत्साहपूर्ण आगाज किया। इस अवसर पर महिलाओं ने पूरे जोश के साथ 'वंदे मातरम्' का उद्घोष करते हुए राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। अभियान के प्रथम चरण में जशपुर जिले के सभी आठ विकासखंडों के कुल 32 क्लस्टरों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। विभिन्न क्लस्टरों में बड़ी संख्या में बिहान समूहों की महिलाएं एकत्रित हुई और तिरंगा लहराकर देश के प्रति अपने सम्मान एवं गौरव की भावना को अभिव्यक्त किया। आज के तिरंगा अभियान में जशपुर विकासखंड के घोलेंग क्लस्टर, कुनकुरी के नारायणपुर एवं बंदरचुआं क्लस्टर, पत्थलगांव के विभिन्न क्लस्टर, दुलदुला विकासखंड के सभी क्लस्टर, मनोरा के आस्था एवं सोनकियारी क्लस्टर, बगीचा विकासखंड की महिलाओं तथा फरसाबहार विकासखंड के सभी क्लस्टरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं ने सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' के नारे लगाए और ग्रामीण क्षेत्रों में देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया। उल्लेखनीय है कि हर घर तिरंगा अभियान 9 अगस्त से 17 अगस्त तक जिले में व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान बिहान स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अपने-अपने क्लस्टर एवं ग्राम पंचायतों में तिरंगा लहराने के साथ वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगीत के माध्यम से ग्रामीणों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना जागृत कर रही हैं। बिहान की महिलाओं की यह सहभागिता न केवल अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका को भी रेखांकित कर रही है।

वाड्रफनगर में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा, सांसद चिंतामणि महाराज हुए शामिल

तिरंगा थामे कदम से कदम मिलाकर चले बच्चे नागरिक,जनप्रतिनिधि,राष्ट्रप्रेम का दिया संदेश

-संवाददाता-
बलरामपुर,14 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत जनपद पंचायत वाड्रफनगर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज भी शामिल हुए। श्री महाराज की उपस्थिति में निकाली गई तिरंगा यात्रा में जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, नागरिकों और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से नगर का वातावरण देशभक्ति से सराबोर रहा। तिरंगा यात्रा जनपद पंचायत कार्यालय वाड्रफनगर से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए राजीव गांधी चौक पहुंची। यात्रा में छात्र-छात्राएं तिरंगे को हाथों में थामकर कदम से कदम मिलाते हुए चले। सांसद चिंतामणि महाराज ने नागरिकों और विद्यार्थियों के साथ तिरंगा यात्रा में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की स्वतंत्रता, गौरव और एकता का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व से जुड़ने का अवसर मिलता है। यात्रा में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, विद्यार्थियों और नागरिकों ने एक साथ तिरंगा लेकर राष्ट्र के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना व्यक्त की। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों और देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर सपूतों के बलिदान को भी स्मरण किया गया। हर घर तिरंगा अभियान के तहत नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने और अभियान में सहभागिता करने की अपील की गई। साथ ही उपस्थित सभी जनों ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने तथा राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

छत्तीसगढ शासन वन विभाग
सामान्य वन मंडल धरमजयगढ़ (छ.ग.)
ई-नीलाम विज्ञापन

सर्व सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि वन मंडल धरमजयगढ़ के काष्ठागार धरमजयगढ में उपलब्ध ईमारती एवं जलाऊ लकडी का दर्शित तिथि समय में ई-नीलाम किया जावेगा ।

1. ई-नीलाम दिनांक - 21-08-2026
2. ई-नीलाम समय - प्रातः 09.00 बजे से प्रारंभ

अ.क.	प्रजाति	नया वनोपज		पुराना वनोपज		योग वनोपज	
		लठ्ठा घ.मी. में	बल्ली नग में	लठ्ठा घ.मी. में	बल्ली नग में	लठ्ठा घ.मी. में	बल्ली नग में
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सागौन	0	0	166.093	0	166.093	0
2	साल	416.000	192	2575.262	2938	2991.262	3130
3	बीजा	2.600	0	157.626	0	160.226	0
4	खम्हार	0	0	0	0	0	0
5	सजा	4.100	0	72.585	506	76.685	506
6	हल्दू	0	0	13.662	0	13.662	0
7	धावड़ा	1.500	0	14.248	170	15.748	170
8	सलिहा	0	0	7.915	0	7.915	0
9	अन्य	1.000	0	242.211	971	243.211	971
10	आर.टी.एल	0	0	0	0	0	0
योग		425.200	192	3249.602	4585	3674.802	4777
11	जलाऊ	430 चट्टा	-	4318 चट्टा	0	4748 चट्टा	-

अतः इच्छुक व्यापारियों से अनुरोध है कि वे ई-नीलाम में भाग लेवें। ई-नीलाम की शर्तें व अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय में डिपो से प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त मात्रा में कमी - अधिकता संभव है।

जी.नं.-26270740/3

वनमण्डलाधिकारी
धरमजयगढ़ वनमण्डल

बिहान योजना में 'लोन बड़ा खेल' का आरोप

बरदर क्लस्टर में स्व-सहायता समूहों के नाम पर ऋण निकासी,चुनिंदा सदस्यों के इस्तेमाल की चर्चा,लंबे समय से पदस्थ पीआरपी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,13 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। ग्रामीण गरीब महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' की जमीनी कार्यप्रणाली को लेकर जनपद पंचायत खड़गवां के बरदर क्लस्टर में गंभीर सवाल उठ रहे हैं, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के कुछ स्व-सहायता समूहों के नाम पर ऋण राशि निकाले जाने के बावजूद सभी पात्र सदस्यों तक उसका वास्तविक लाभ नहीं पहुंचने के आरोप सामने आ रहे हैं,कथित तौर पर कुछ मामलों में समूह के नाम पर निकाली गई राशि का इस्तेमाल चुनिंदा सदस्यों द्वारा किए जाने की चर्चा है, हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है और वास्तविक स्थिति विस्तृत दस्तावेजी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकती है,बिहान योजना का मूल उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को समूह के माध्यम से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें स्वरोजगार और आजीविका गतिविधियों से जोड़ना है,ऐसे में यदि समूह के नाम पर ऋण स्वीकृत या निकाला गया हो और उसका लाभ सभी पात्र सदस्यों तक नहीं पहुंचा हो तो यह योजना की मूल भावना के विपरीत माना जाएगा।

समूह के नाम पर लोन, इस्तेमाल चुनिंदा सदस्यों का?

स्व-सहायता समूहों में ऋण वितरण की प्रक्रिया में बैठक,प्रस्ताव,सदस्यों की सहमति और राशि के उपयोग से संबंधित रिकॉर्ड का संधारण महत्वपूर्ण माना जाता है, बरदर क्लस्टर को लेकर सामने आ रही जानकारी में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जिन समूहों के नाम पर ऋण राशि निकाली गई, क्या वह राशि वास्तव में संबंधित महिला सदस्यों तक पहुंची? यदि समूह के खाते से राशि निकाली गई और उसका लाभ कुछ चुनिंदा सदस्यों तक सीमित रहा,तो इसकी पुष्टि समूह की बैठक पुस्तिका, प्रस्ताव रजिस्टर,बैंक स्टेटमेंट और सदस्यों के व्यक्तिगत खातों की जांच से की जा सकती है, यही दस्तावेज यह भी स्पष्ट कर सकते हैं कि ऋण वितरण के समय समूह के सभी सदस्यों की सहमति ली गई थी या नहीं।

पीआरपी की जिम्मेदारी पर भी उठ रहे सवाल

बरदर क्लस्टर में समूहों की गतिविधियों की निगरानी और मैदानी स्तर पर सत्यापन से जुड़ी पीआरपी की भूमिका भी सवालों के घेरे में बताई जा रही है,यदि ऋण वितरण में कथित अनियमितता हुई है तो यह जानना जरूरी होगा कि उसका भौतिक सत्यापन किस आधार पर किया गया, क्या पीआरपी ने समूह की बैठकों में पहुंचकर महिला सदस्यों से सीधे ऋण वितरण की जानकारी ली? क्या ऋण लेने वाली प्रत्येक महिला से व्यक्तिगत रूप से पूछा गया कि उसे कितनी राशि मिली? क्या बैंक खाते में पहुंची राशि का समूह के रिकॉर्ड में दर्ज राशि से मिलान किया गया? या फिर सत्यापन केवल कार्यालयीन दस्तावेजों तक सीमित रहा? इन सवालों का जवाब दस्तावेजों और मैदानी जांच से ही सामने आ सकता है।

दस साल से एक ही स्थान पर पदस्थ पीआरपी पर सवाल- बरदर क्लस्टर में लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ पीआरपी की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं,सूत्रों के अनुसार लंबे समय तक एक ही क्षेत्र में पदस्थ रहने के कारण उनकी कार्यप्रणाली की प्रभावी निगरानी नहीं होने की चर्चा है,इतना ही नहीं,सूत्रों ने यह भी दावा किया है कि उनके अधीन काम करने वाले किसी व्यक्ति द्वारा विरोध या सवाल उठाए जाने पर काम से हटाने की धमकी दिए जाने की बात सामने आई है, हालांकि इस आरोप की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए किसी व्यक्ति को आरोपों के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं होगा,लेकिन यदि विभाग के सामने इस प्रकार की शिकायतें या सूचनाएं पहुंच रही हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच कराना जरूरी है।

दस साल का रिकॉर्ड खुल सकता है कई सवालों का जवाब-बरदर क्लस्टर के पिछले दस वर्षों के रिकॉर्ड की जांच की जाए तो ऋण वितरण और समूहों की वास्तविक वित्तीय स्थिति को लेकर तस्वीर काफी हद तक साफ हो सकती है। समूहवार बैंक स्टेटमेंट, ऋण स्वीकृति दस्तावेज,बैठक पुस्तिका,ऋण वितरण रजिस्टर,सदस्यों की उपस्थिति,बैंक खाते से निकासी,ऋण वापसी तथा पीआरपी द्वारा किए गए सत्यापन रिकॉर्ड का मिलान किया जाना चाहिए,सबसे महत्वपूर्ण यह होगा कि कागजों में जिस महिला के नाम पर ऋण दर्ज है,उससे सीधे जानकारी ली जाए कि उसे वास्तव में कितनी राशि मिली और उस राशि का उपयोग किस उद्देश्य से किया गया,इससे रिकॉर्ड और वास्तविकता के बीच अंतर होने की स्थिति भी सामने आ सकती है।

विभागीय निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल- मामले में सबसे बड़ा सवाल संबंधित विभागीय अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था को लेकर है। यदि पीआरपी द्वारा नियमित रूप से समूहों की निगरानी और सत्यापन किया जाता है तो कथित रूप से ऋण वितरण में गड़बड़ी की स्थिति कैसे बनी? क्या अधिकारियों ने समूह की बैठकों में जाकर महिला सदस्यों से सीधे जानकारी ली? क्या बैंक रिकॉर्ड और समूह रजिस्टर का क्रॉस वेरिफिकेशन किया गया? क्या पिछले वर्षों के निरीक्षण की रिपोर्ट तैयार की गई? यदि जांच हुई तो उसके निष्कर्ष क्या रहे? इन सवालों के जवाब मिलने पर यह स्पष्ट हो सकेगा कि निगरानी व्यवस्था वास्तव में जमीनी स्तर पर सक्रिय थी या केवल कागजी रिकॉर्ड तक सीमित रही।

गरीब महिलाओं की योजना में विशेष जांच की मांग...

बिहान योजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। ऐसे में यदि किसी महिला के नाम पर ऋण निकाला गया हो और उसका वास्तविक लाभ किसी अन्य व्यक्ति को मिला हो तो यह गंभीर वित्तीय अनियमितता का विषय हो सकता है,इसीलिए बरदर क्लस्टर के सभी स्व-सहायता समूहों की पिछले दस वर्षों की गतिविधियों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। जांच ऐसे अधिकारी या टीम से कराई जाना अधिक उचित होगा जो स्थानीय व्यवस्था से सीधे जुड़ी न हो, ताकि रिकॉर्ड के साथ-साथ महिला सदस्यों के बयान भी निष्पक्ष रूप से दर्ज किए जा सकें।

जांच में इन रिकॉर्ड की होनी चाहिए पड़ताल

विशेष जांच में पिछले दस वर्षों के समूहवार बैंक स्टेटमेंट,ऋण स्वीकृति एवं वितरण रिकॉर्ड,समूह की बैठक पुस्तिका,प्रस्ताव रजिस्टर,प्रत्येक सदस्य को वितरित ऋण की जानकारी,ऋण वापसी एवं बकाया राशि का विवरण,पीआरपी के निरीक्षण एवं सत्यापन रिकॉर्ड, ग्राम संगठन तथा क्लस्टर स्तर के वित्तीय दस्तावेज और अधिकारियों द्वारा किए गए भौतिक सत्यापन की रिपोर्ट शामिल की जानी चाहिए, इसके साथ यह भी सामने आना चाहिए कि बरदर क्लस्टर के कितने समूहों ने पिछले दस वर्षों में ऋण लिया और कुल कितनी राशि वितरित हुई।

प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी नजर

बरदर क्लस्टर से सामने आ रहे आरोपों ने बिहान योजना की पारदर्शिता और विभागीय निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, फिलहाल आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है,इसलिए किसी व्यक्ति या अधिकारी को दोषी ठहराने के बजाय निष्पक्ष जांच जरूरी है,यदि प्रशासन समूहों के बैंक रिकॉर्ड,बैठक पुस्तिका और महिला सदस्यों के बयानों का मिलान कराता है तो वास्तविक स्थिति सामने आने में देर नहीं लगेगी, अब सवाल यही है कि प्रशासन इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए दस वर्षों के रिकॉर्ड की विशेष जांच कराता है या मामला भी अन्य शिकायतों की तरह कागजी कार्रवाई तक सीमित रह जाता है।

आधीवार में फिर पकड़ी गई कच्ची महुआ शराब

एक माह में दूसरी बड़ी कार्रवाई,20 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद,आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर उठे सवाल

-संवाददाता-

खड़गवां,13 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। खड़गवां मुख्यालय के आधीवार क्षेत्र में अवैध कच्ची महुआ शराब के कारोबार के खिलाफ आबकारी विभाग ने एक बार फिर कार्रवाई करते हुए करीब 20 लीटर महुआ शराब बरामद की है, खास बात यह है कि एक महीने के भीतर इसी क्षेत्र में अवैध महुआ शराब पकड़े जाने का यह दूसरा मामला सामने आया है,लगातार दूसरी कार्रवाई के बाद अब क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार और आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। एक ही इलाके में कम समय के अंतराल में दूसरी बार शराब बरामद होने से सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर नियमित निगरानी के बावजूद अवैध शराब का निर्माण और बिक्री कैसे जारी रही, क्या विभाग को इसकी जानकारी नहीं थी या फिर अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई केवल सूचना अथवा शिकायत मिलने के बाद ही की जा रही है? इन सवालों का जवाब आबकारी विभाग की कार्रवाई और आगे की जांच से ही सामने आएगा।

एक महीने में दूसरी बार बरामदगी- आधीवार क्षेत्र में पहले भी अवैध महुआ शराब के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है, इसके बावजूद करीब एक महीने के भीतर फिर से 20 लीटर कच्ची महुआ शराब की बरामदगी ने पहली कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं, यदि पहली कार्रवाई के बाद क्षेत्र में नियमित निगरानी और गश्त की गई थी तो दोबारा अवैध शराब का कारोबार शुरू होने की स्थिति कैसे बनी, यह भी जांच का विषय है, वहीं यह भी पता लगाया जाना जरूरी है कि बरामद शराब केवल किसी एक व्यक्ति तक सीमित थी या इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है।

कार्रवाई के बाद भी नहीं थमा कारोबार-लगातार दूसरी बार शराब पकड़े जाने के बाद स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठ रहा है कि क्या पहली कार्रवाई का अवैध कारोबारियों पर अपेक्षित असर नहीं हुआ, केवल शराब बरामद कर प्रकरण दर्ज करना पर्याप्त है या विभाग को इसके निर्माण और बिक्री के स्रोत तक पहुंचने की भी जरूरत है, यह अब चर्चा का विषय बन गया है, विभाग को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि पहली कार्रवाई के बाद आधीवार क्षेत्र में कितनी बार आबकारी टीम ने गश्त या निरीक्षण किया। कितने संदिग्ध ठिकानों की जांच की गई और अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री को रोकने के लिए क्या स्थायी कदम उठाए गए।

निगरानी व्यवस्था पर सवाल-एक ही क्षेत्र में एक माह के भीतर दूसरी बार अवैध शराब मिलने से आबकारी विभाग की नियमित निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है,यदि क्षेत्र में लगातार निगरानी की जा रही थी तो अवैध शराब का निर्माण और बिक्री विभाग की नजर से कैसे बची रही? साथ ही यह भी महत्वपूर्ण होगा कि विभाग इस कार्रवाई के बाद शराब के स्रोत, निर्माण स्थल और इससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच करता है या नहीं, अब सवाल यह भी है कि क्या क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री की शिकायतें पहले भी विभाग को मिलती रही हैं और यदि शिकायतें मिली थीं तो उन पर क्या कार्रवाई की गई।

बरामदगी से आगे नेटवर्क तक पहुंचना जरूरी-20 लीटर कच्ची महुआ शराब की बरामदगी निश्चित रूप से आबकारी विभाग की कार्रवाई है, लेकिन असली चुनौती अवैध शराब के स्रोत और पूरे नेटवर्क तक पहुंचने की होगी, यदि एक ही क्षेत्र में बार-बार अवैध शराब मिल रही है तो केवल बरामदगी और प्रकरण दर्ज करने के बजाय यह पता लगाना भी जरूरी है कि शराब कहां तैयार हो रही थी, इसे कहां पहुंचाया जाना था और इसके कारोबार से कौन-कौन लोग जुड़े हैं, आधीवार में एक महीने के भीतर दूसरी बार हुई कार्रवाई ने आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है, अब देखना होगा कि विभाग इस कार्रवाई को केवल एक और प्रकरण के रूप में दर्ज करता है या अवैध महुआ शराब के कारोबार की जड़ तक पहुंचकर स्थायी कार्रवाई करता है।

मनेंद्रगढ़ परियोजना में रेडी टू ईट आपूर्ति पर उठे सवाल

आंगनबाड़ियों तक समय पर नहीं पहुंच रहा पोषण आहार,स्व-सहायता समूह की कार्यप्रणाली और विभागीय निगरानी पर गंभीर आरोप...

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़,13 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। कुपोषण की समस्या को दूर करने और गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं, किशोरी बालिकाओं तथा छह वर्ष तक के बच्चों को पोषण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित पोषण आहार योजना की जमीनी व्यवस्था को लेकर मनेंद्रगढ़ परियोजना में गंभीर सवाल उठ रहे हैं,आरोप है कि परियोजना क्षेत्र के कई सेक्टरों की आंगनबाड़ियों तक रेडी टू ईट पोषण आहार समय पर और निर्धारित मात्रा में नहीं पहुंच रहा है,जिसके कारण सैकड़ों हितग्राहियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार कई आंगनबाड़ी केंद्रों में निर्धारित समय पर पोषण आहार उपलब्ध नहीं होने के कारण कार्यकर्ताओं को हितग्राहियों को खाली हाथ लौटाना पड़ता है,इससे ग्रामीणों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के बीच विवाद की स्थिति भी बन रही है, हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन यदि आपूर्ति में लगातार कमी या देरी हो रही है तो यह योजना के उद्देश्य और निगरानी व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर विषय है।

मंगलवार को वितरण, लेकिन समय पर नहीं पहुंचता आहार- बताया जा रहा है कि आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रत्येक मंगलवार को हितग्राहियों को रेडी टू ईट पोषण आहार वितरित किया जाना है, आरोप है कि संबंधित स्व-सहायता समूह द्वारा कई सेक्टरों में निर्धारित समय से पहले पर्याप्त मात्रा में पोषण आहार उपलब्ध नहीं कराया जाता, परिणामस्वरूप वितरण के दिन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सामने सबसे बड़ी समस्या उपलब्ध स्टॉक की होती है, नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कुछ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि कई बार उन्हें दर्ज हितग्राहियों की संख्या के अनुरूप पूरा पोषण आहार प्राप्त नहीं होता, ऐसी स्थिति में सभी हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में सामग्री देना मुश्किल हो जाता है, ग्रामीणों को जब पोषण आहार नहीं मिलता तो उनका आक्रोश कार्यकर्ताओं पर निकलता है और कई बार कार्यकर्ताओं पर ही गबन के आरोप लगाए जाने की स्थिति बनती है।

दर्ज संख्या से कम पैकेट मिलने का आरोप-कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कुछ मामलों में आंगनबाड़ी केंद्रों की दर्ज हितग्राही संख्या से भी कम पैकेट उपलब्ध कराए जाते हैं। यदि केंद्र पर जितने हितग्राही दर्ज हैं, उनकी संख्या के अनुपात में सामग्री उपलब्ध नहीं होगी तो वितरण के दौरान विवाद की स्थिति बनना स्वाभाविक है, यह समस्या विशेष रूप से दूरस्थ, वनांचल और पहाड़ी क्षेत्रों की आंगनबाड़ियों में अधिक गंभीर होने की बात कही जा रही है, ऐसे क्षेत्रों में समय पर आपूर्ति नहीं पहुंचने की स्थिति में बच्चों, गर्भवती महिलाओं और शिशुवती माताओं को पोषण आहार उपलब्ध कराना और भी कठिन हो जाता है।

परियोजना अधिकारी की निगरानी पर भी सवाल-इस पूरे मामले में मनेंद्रगढ़ परियोजना कार्यालय की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं, आरोप है कि संबंधित अधिकारी द्वारा मैदानी स्तर पर आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण नहीं किया जाता,यदि नियमित निरीक्षण और हितग्राहियों से सीधे जानकारी ली जाती है तो पोषण आहार की आपूर्ति,मात्रा और वितरण में होने वाली संभावित गड़बड़ियां समय रहते सामने आ सकती हैं, सवाल यह भी है कि क्या परियोजना कार्यालय द्वारा स्व-सहायता समूह से प्राप्त स्टॉक और आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचाई गई सामग्री का नियमित मिलान किया जाता है? क्या केंद्रवार हितग्राही संख्या के आधार पर उपलब्ध कराए गए पैकेटों का सत्यापन होता है? यदि ऐसा सत्यापन हो रहा है तो कमी की शिकायतें लगातार सामने क्यों आ रही हैं?

जांच से सामने आ सकती है वास्तविक स्थिति

मामले में जिला प्रशासन द्वारा यदि निष्पक्ष जांच कराई जाती है तो प्रत्येक सेक्टर में स्व-सहायता समूह से प्राप्त रेडी टू ईट की मात्रा, आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचाई गई सामग्री,वितरण रजिस्टर और हितग्राहियों की वास्तविक संख्या का मिलान कराया जा सकता है,इसके साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और हितग्राहियों से सीधे जानकारी लेने पर जमीनी स्थिति स्पष्ट हो सकती है, पोषण आहार योजना का सीधा संबंध बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य से है,ऐसे में आपूर्ति में देरी या मात्रा में कमी को सामान्य प्रशासनिक समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदारी तय करते हुए सुधारात्मक कार्रवाई जरूरी होगी,अब सवाल यह है कि मनेंद्रगढ़ परियोजना में रेडी टू ईट की आपूर्ति व्यवस्था को जिला प्रशासन कब गंभीरता से जांचेगा और क्या संबंधित अधिकारी तथा आपूर्तिकर्ता समूह की जवाबदेही तय होगी,समय पर और निर्धारित मात्रा में पोषण आहार पहुंचे,तभी कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ का लक्ष्य जमीन पर प्रभावी रूप से हासिल किया जा सकेगा।

कोरिया-एमसीबी में स्वतंत्रता दिवस की भव्य तैयारियां, बैकुंठपुर में विधायक भईया लाल राजवाड़े और मनेन्द्रगढ़ में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल करेंगे ध्वजारोहण

राजन पाण्डेय

कोरिया/एमसीबी,14 अगस्त 2026। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कोरिया और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में राष्ट्रीय पर्व को गरिमामय एवं भव्य रूप से मनाने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री एवं बैकुंठपुर विधायक श्री भईया लाल राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण करेंगे, वहीं एमसीबी जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 15 अगस्त को राजधानी रायपुर के पुलिस मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। इसी क्रम में दोनों जिलों में आयोजित मुख्य समारोहों में मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जाएगा।

बैकुंठपुर में रामानुज मिनी स्टेडियम बनेगा मुख्य समारोह का केंद्र : कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के रामानुज मिनी स्टेडियम में जिलास्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित होगा। विधायक श्री भईया लाल राजवाड़े ध्वजारोहण के बाद परेड की सलामी लेंगे और मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। समारोह में पुलिस परेड, स्कूली बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा विभिन्न देशभक्ति से जुड़े आयोजन आकर्षण का केंद्र रहेंगे। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों एवं प्रतिभावान लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा। समारोह को लेकर रामानुज मिनी स्टेडियम में तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

मनेन्द्रगढ़ में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल करेंगे ध्वजारोहण : एमसीबी जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ के पुलिस ग्राउंड आमाखेरवा में प्रातः 9 बजे मुख्य समारोह आयोजित होगा। कैबिनेट मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण करेंगे। जिला प्रशासन के अनुसार मुख्य अतिथि का आगमन प्रातः 8:58 बजे होगा। इसके बाद राष्ट्रगीत, ध्वजारोहण, सलामी एवं राष्ट्रगान, परेड निरीक्षण और मार्च पास्ट होगा। प्रातः 9:25 बजे मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जाएगा।

इसके पश्चात स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों एवं प्रतिभाओं को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। समारोह का समापन लगभग 11:15 बजे होगा।

बारिश भी नहीं रोक सकी देशभक्ति की रफ्तार...एमसीबी में जोश के साथ निकली स्वतंत्रता दौड़

स्वतंत्रता दिवस से पहले जिला स्तरीय आयोजन में उमड़ा उत्साह,विद्यार्थियों और युवाओं ने दिया राष्ट्रप्रेम,अनुशासन और स्वस्थ जीवन का संदेश...

-संवाददाता-
एमसीबी,14 अगस्त 2026।

स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में देशभक्ति का उत्साह उस समय देखने को मिला, जब लगातार हो रही बारिश के बीच भी जिला स्तरीय स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन पूरे जोश और उत्साह के साथ किया गया, बारिश की बूंदें प्रतिभागियों के कदम नहीं रोक सकीं, विद्यार्थियों, युवाओं, अधिकारियों-कर्मचारियों और नागरिकों ने बड़ी संख्या में दौड़ में शामिल होकर राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया, प्रातः 7 बजे स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ से स्वतंत्रता दौड़ का शुभारंभ हुआ, नगर पालिका मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव ने हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया। इस दौरान कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी,विद्यार्थी, खिलाड़ी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे, दौड़ निर्धारित मार्ग से होते हुए पीडब्ल्यूडी तिराहा पहुंची और इसके बाद आमाखेरवा मैदान में इसका समापन हुआ, बारिश के बावजूद प्रतिभागियों में जिस तरह का उत्साह दिखाई दिया, वह स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जिले में देशभक्ति के माहौल को और मजबूत करता नजर आया।

सिर्फ दौड़ नहीं,राष्ट्र निर्माण का संदेश-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने कहा कि स्वतंत्रता दौड़ केवल एक खेल गतिविधि नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, एकता और स्वस्थ जीवन का संदेश देने वाला आयोजन है,

बारिश में भी कम नहीं हुआ युवाओं का जोश-

पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि लगातार हो रही बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों और नागरिकों का दौड़ में शामिल होना उनके जोश, अनुशासन और देशभक्ति को दर्शाता है, उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों का यह उत्साह पूरे जिले के लिए प्रेरणादायी है, उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित किया। ऐसे आयोजन उनके त्याग, बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद करने के साथ-साथ वर्तमान पीढ़ी को उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देते हैं, एसपी ने प्रतिभागियों, नागरिकों तथा आयोजन में सहयोग करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई देते हुए सभी से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की अपील की, उन्होंने देशभक्ति, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहते हुए शारीरिक रूप से फिट रहने का प्रयास करना चाहिए और ऐसी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए, उन्होंने युवाओं से देश के प्रति समर्पित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक

परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, युवाओं का योगदान केवल खेल मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सेवा और अन्य क्षेत्रों में भी उनकी सक्रिय भूमिका देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण है, कलेक्टर ने प्रतिभागियों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और अपने कार्यों के माध्यम से देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

स्वतंत्रता दौड़ के साथ टीबी मुक्त भारत का संदेश-कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की ओर से टीबी उन्मूलन का संदेश भी दिया गया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने 'टीबी हारेगा, देश जीतेगा' अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि टीबी की समय पर पहचान और उचित उपचार होने पर यह बीमारी पूरी तरह ठीक हो सकती है, उन्होंने बताया कि जिले में स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार स्क्रीनिंग, एक्स-रे जांच और संदिग्ध मरीजों की पहचान का कार्य कर रही हैं, चिन्हित मरीजों को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है, उन्होंने आम नागरिकों से टीबी मुक्त भारत के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की, इस दौरान उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से 'टीबी हारेगा, देश जीतेगा' का नारा लगाकर टीबी मुक्त भारत के संकल्प को दोहराया।

बालक वर्ग में अमित सेन और बालिका वर्ग में ललिता प्रथम- स्वतंत्रता दौड़ के समापन के बाद विभिन्न वर्गों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया, बालक वर्ग में अमित सेन ने प्रथम, सागर ने द्वितीय और हंसराज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, इसी तरह बालिका वर्ग में ललिता ने प्रथम, माही ने द्वितीय और वंसती ने तृतीय स्थान हासिल किया, विजेताओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

अधिकारी-कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में नागरिक रहे मौजूद

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष श्री आशीष सिंह, सरजू यादव, अपर कलेक्टर अनिल सिदार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे, एसडीएम लिंगराज सिंदार, तहसीलदार विनीत सिंह, जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री वैशाली सिंह, तहसीलदार सुश्री श्रुति धुव्रे, जिला खेल अधिकारी विनोद जायसवाल, टी. विजम गोपाल राव, कोच किशोर दास, शिव कुमार चौधरी, व्यायाम शिक्षक रणधीर ठाकुर, प्रेम स्मेल टोप्पो, सुमित जायसवाल तथा केमेन्द्र साहू सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे, जिला प्रशासन द्वारा आयोजन को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं, बारिश के बीच भी कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, स्वतंत्रता दिवस से पूर्व आयोजित इस दौड़ ने जिले में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली, सामाजिक सहभागिता तथा टीबी मुक्त भारत के संकल्प का संदेश भी दिया।

आज के बच्चे ही कल का भविष्य, समृद्ध भारत के निर्माण के लिए ले संकल्प : विधायक भगत

वंदे मातरम की जयघोष के साथ दौड़ा जशपुर

-संवाददाता-
जशपुरनगर,14 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

स्वतंत्रता दिवस के पूर्व शुक्रवार 14 अगस्त को जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग जशपुर के संयुक्त तत्वावधान में स्वतंत्रता दौड़ का भव्य आयोजन किया गया। सुबह 8 बजे जयस्तंभ चौक जिला अस्पताल से प्रारंभ हुई स्वतंत्रता दौड़ में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का उत्साह देखते ही बना। इसमें स्कूली बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी -कर्मचारियों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने पूरे उत्साह के साथ दौड़ लगाई। दौड़ का शुभारंभ जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत एवं कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने हरी झंडी दिखाकर किया। स्वतंत्रता दौड़ जिला अस्पताल से प्रारंभ होकर बस स्टैंड चौक होते हुए रणजीता स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान प्रतिभागियों ने वंदे मातरम, भारत माता की जय और देशभक्ति के नारों से शहर को गुंजायमान कर दिया। इस दौड़ में जनपद अध्यक्ष जशपुर श्री गंगाराम भगत, एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार, डीएफओ श्री शशि कुमार सहित स्कूली बच्चों एवं युवाओं के साथ जनप्रतिनिधि,अधिकारी-कर्मचारी,सामाजिक संगठन, खेल संघ, एनसीसी, स्काउट एवं गाइड, राष्ट्रीय सेवा योजना, रेडक्रॉस, पुलिस बल, वन विभाग तथा मीडिया प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

आज के बच्चे ही कल का भविष्य, शिक्षा और संस्कार पर दें जोर -इस अवसर पर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने स्वतंत्रता दौड़ में शामिल बच्चों एवं युवाओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि 14 अगस्त का दिन देश की आजादी की खुशी के साथ-साथ भारत विभाजन की पीड़ा को भी स्मरण करने का दिन है। उन्होंने विभाजन के दौरान अपने प्रियजनों से बिछड़े लोगों और देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर बलिदानियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि आज स्वतंत्र भारत में प्रत्येक नागरिक को शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और अपनी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त हैं। सशक्त और समृद्ध भारत के

निर्माण के लिए आज के बच्चों को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने तथा युवाओं को नशे से दूर रहकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लेना होगा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत ने बच्चों एवं युवाओं को राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि हमें ऐसे उत्कृष्ट कार्य करने चाहिए, जिससे हमारे माता-पिता,जशपुर,छत्तीसगढ़ और देश का मान पूरे विश्व में बढ़े। उन्होंने युवाओं से नशामुक्ति का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि नशा समाज की बड़ी कुरीतियों में से एक है और इसे समाप्त करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान के तहत सभी नागरिकों से अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील भी की।

स्वतंत्रता दौड़ के साथ दिया नशामुक्त भारत का संदेश -कार्यक्रम के दौरान 'नशामुक्त भारत' अभियान के तहत उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों को नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने की शपथ दिलाई गई। साथ ही देश की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण रखने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया गया।

वेस्ट चिरमिरी खुली खदान को बंद करने की साजिश बर्दाश्त नहीं,15 दिनों में की जा रही कार्रवाई की जानकारी दे SECL प्रबंधन : अशोक श्रीवास्तव

- चिरमिरी क्षेत्र में एशिया के सबसे उच्च ग्रेड (ए-ग्रेड सुपर क्लेम) कोयला भंडार को नष्ट करने का प्रयास
- निजी ठेकेदार की लापरवाही से खदान में पानी भरा गया, जिला कांग्रेस कमेटी ने स्श्वष्टरुप्रबंधन को घेरा

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर।

जिला कांग्रेस कमेटी (एम.सी.बी.) के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने एस.ई.सी.एल. चिरमिरी क्षेत्र की महत्वपूर्ण 'वेस्ट चिरमिरी इकाई' में संचालित खुली खदान को बंद करने के प्रयासों पर कड़ा रोष जताया है। उन्होंने मुख्य महाप्रबंधक समेत देश के शीर्ष कोयला अधिकारियों और जिला प्रशासन को पत्र सौंपकर स्पष्ट किया है कि खदान को पुनः प्रारंभ करने के संबंध में प्रशासन द्वारा जो भी कार्रवाई की जा रही है, उसकी जानकारी 15 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से संगठन को प्रदान की जाए।

एशिया के सबसे उच्च गुणवत्ता वाले कोयले को नष्ट करने की साजिश : जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि वेस्ट चिरमिरी इकाई में वर्ष 1950 से ही निजी स्वामित्व के तहत खनन कार्य सुचारू रूप से चल रहा था। इस भूमिगत खदान से एशिया का सबसे उच्च ग्रेड का कोयला (ए-ग्रेड सुपर क्लेम) उत्पादित किया जाता था, जो पूरे छत्तीसगढ़ या मध्य प्रदेश के अन्य राज्यों में दुर्लभ है। वर्ष 1973-74 में राष्ट्रीयकरण के बाद भी यहाँ तीन मुख्य सीमों (सीम नंबर 3, 4 और 5) पर काम होता रहा।

लापरवाह ठेकेदार को काम देकर खदान को किया गया बर्बाद : कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि वर्ष 2015 में एस.ई.सी.एल. द्वारा इस बहुमूल्य खदान का ठेका 'सर्वना ट्रांसपोर्ट तमिलनाडु' नामक एक अनुभवहीन निजी ठेकेदार को दे दिया गया। ठेकेदार की घोर लापरवाही के कारण मार्च 2018 में मात्र 1.50 लाख मिट्रिक टन कोयला निकालने के बाद काम को बीच में ही छोड़ दिया गया। इसके बाद एस.ई.सी.एल. प्रबंधन ने खदान को पुनः खोलने का प्रयास करने के बजाय, एक सुनियोजित साजिश के तहत इसमें पानी भर दिया। यह देश के ऐतिहासिक माइंस के अस्तित्व को पूरी तरह समाप्त करने की कोशिश है।

20 लाख मिट्रिक टन कोयला अब भी मौजूद,15 दिनों में मांगी जानकारी

अनुभवी विशेषज्ञों के अनुसार, इस खदान के सीम नंबर 03, 04 और 05 में अभी भी लगभग 20 लाख मिट्रिक टन उच्च कोटि का कोयला मौजूद है। इस खदान को आगामी 20 से 25 वर्षों तक आसानी से संचालित किया जा सकता है। अशोक श्रीवास्तव ने एस.ई.सी.एल. प्रबंधन से पुरजोर मांग की है कि इस महत्वपूर्ण इकाई को बंद करने की साजिश को तुरंत रोका जाए। खदान को या तो एस.ई.सी.एल. स्वयं के संसाधनों से शुरू करे या नए सिरे से निविदा आमंत्रित कर कार्य प्रारंभ कराए। उन्होंने कड़े शब्दों में प्रबंधन के सामने यह बात भी रखी है कि इस संबंध में आपके द्वारा उठाए जाने वाले कदमों और की जा रही पूरी कार्रवाई से मुझे व संगठन को 15 दिनों के अन्दर अनिवार्य रूप से सूचित किया जावे।

ज्ञापन सौंपते समय वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता रहे मौजूद : इस महत्वपूर्ण मांग को लेकर प्रबंधन एवं प्रशासन को ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव के साथ मुख्य रूप से जिला कांग्रेस सचिव शाहिद महमूद ,मुमताज कुरैशी, सांसद प्रतिनिधि एवं जिला उपाध्यक्ष निखिल यादव एवं रामवतार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के अन्य सक्रिय कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी प्रतिलिपि माननीय केंद्रीय कोयला मंत्री (भारत सरकार), सीएमडी (कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता), सीएमडी व निदेशक (एस.ई.सी.एल. बिलासपुर) और जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक (एम.सी.बी.) को भी उचित कार्रवाई हेतु प्रेषित की गई है।

खड़गे के कथित अपमान के विरोध में कांग्रेस ने निकाली रैली,गांधी चौक पर प्रदर्शन

जिला कांग्रेस ने संघ परिवार से जुड़े संगठन पर लगाया अस्पृश्यता के व्यवहार का आरोप...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अगस्त 2026
(घटती-घटना)।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ उत्तराखंड के हल्द्वानी में कथित तौर पर हुए अपमानजनक व्यवहार के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने शुक्रवार को जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में रैली निकाली। राजीव भवन से शुरू हुई रैली गांधी चौक पहुंची, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन और नारेबाजी कर घटना का विरोध जताया। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, 8 अगस्त को हल्द्वानी में मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद संघ परिवार से जुड़े एक संगठन द्वारा रैली स्थल का कथित रूप से शुद्धिकरण किया गया और खड़गे को हिंदू विरोधी बताया गया।

कांग्रेस का आरोप है कि इस घटना को लेकर खड़गे ने राज्यसभा में अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए इसे उनके दलित समुदाय से होने से जोड़कर देखा। राज्यसभा में मामला उठने के बाद सरकार की ओर से घटना की जांच की बात कही गई थी, लेकिन कांग्रेस के अनुसार अब तक इसका कोई परिणाम सामने नहीं आया है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर आयोजित प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांधी चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष 'रघुपति राघव राजा राम' भजन का सामूहिक पाठ किया और सद्बुद्धि की प्रार्थना की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने आरोप लगाया कि संघ परिवार की मानसिकता दलित विरोधी है। उन्होंने केंद्र सरकार से घटना में शामिल तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि कार्रवाई नहीं होती है तो इससे सरकार की सहमति को लेकर सवाल खड़े होंगे। पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि संघ परिवार की सोच में अस्पृश्यता की मानसिकता दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि आज तक कोई दलित या आदिवासी संघ परिवार के शीर्ष पद तक नहीं पहुंच पाया। उन्होंने खड़गे के कथित अपमान को पूरे दलित समाज का अपमान बताया।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15 AUG
HAPPY INDEPENDENCE DAY
प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ
पहाड़ी कोरवा आश्रम भेलवाडीह
जिला-बलरामपुर,रामानुजगंज,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15 AUGUST
जिला चिकित्सा अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ
जिला-बलरामपुर,रामानुजगंज,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15
जिला चिकित्सा अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ उप स्वास्थ्य केंद्र राजपुर
जिला-बलरामपुर,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15 August
परियोजना अधिकारी
महिला एवं बाल विकास एवं समस्त स्टाफ
जिला-बलरामपुर,रामानुजगंज,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
परियोजना अधिकारी
महिला एवं बाल विकास एवं समस्त स्टाफ राजपुर
जिला-बलरामपुर,रामानुजगंज,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अनुविभागीय अधिकारी
ग्रामीण यांत्रिकी विभाग एवं समस्त स्टाफ राजपुर
जिला-बलरामपुर,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जितेन्द्र कवर
पशु चिकित्सक
पशु चिकित्सालय खड़गवां एवं समस्त स्टाफ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15 August
वन्दे मातरम्
जहरूद्दीन अंसारी (एस डी ओ)
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना
एवं समस्त स्टाफ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15 August
नीरज कुमार जायसवाल
वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी
खड़गवां एवं समस्त स्टाफ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रूपेश बंजारे
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
श्रीमती श्याम बाई मरकाम
जनपद पंचायत अध्यक्ष
बिरेंद्र सिंह
उपाध्यक्ष
जनपद पंचायत खड़गवां एवं समस्त स्टाफ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
विक्रम मिरी
मंडल संयोजक
विकास खंड खड़गवां

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
रामा निवास मिश्रा
विकास खंड शिक्षा अधिकारी
विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय
खड़गवां एवं समस्त स्टाफ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कमला प्रसाद यादव
वन परिक्षेत्रा अधिकारी
प्रेम लाल सिंह
उप वनपरिक्षेत्रा अधिकारी
वन परिक्षेत्र कार्यालय खड़गवां एवं समस्त स्टाफ

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
सुखित लाल अगरिया
सरपंच
गीता प्रसाद पाण्डेय
सचिव
ग्राम पंचायत कार्यालय खड़गवां एवं समस्त पंचगण

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
के.के. चौधरी (एस डी ओ)
नितिश गुप्ता (इंजिनियर)
ग्रामीण यांत्रिकी विभाग उप संभाग कार्यालय
खड़गवां एवं समस्त स्टाफ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15 AUGUST
अमित कुमार गुप्ता (इंजिनियर)
अनुविभागीय अधिकारी
जल संसाधन विभाग उप संभाग कार्यालय
खड़गवां एवं समस्त स्टाफ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
अम्बिकापुर, सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
उप संचालक
एवं समस्त स्टाफ मतस्य विभाग
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वन मण्डलाधिकारी
सरगुजा वन मण्डल
अम्बिकापुर के समस्त स्टाफ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत बिनिया
सरपंच - संजीव कुमार सिंह पैकरा
सचिव - देव नारायण यादव
पंचगण एवं समस्त ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत लब्जी
सरपंच - बिरूती सिंह
सचिव - जादिश तिर्की
पंचगण एवं समस्त ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत अरगोती
सरपंच - मनबहल मिंज
सचिव - रामगोपाल साहू
पंचगण एवं समस्त ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत अमलभीट्टी
सरपंच - सरोज कुमार
सचिव - मथुरा चौधरी
पंचगण एवं समस्त ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत अमदला
सरपंच - ज्योति सिंह
सचिव - सत्यनारायण
पंचगण एवं सम्मत ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत नरकालो
सरपंच - प्रेमचंद्र सिंह
सचिव - राजेंद्र टोप्पो
पंचगण एवं सम्मत ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत जमगवा
सरपंच - सूर्य बहादुर सिंह
सचिव - अंकृत राम
पंचगढ़ एवं सम्मत ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत जयपुर
सरपंच - बनवारी आर्मो
सचिव - मनोज कुमार चौबे
पंचगढ़ एवं सम्मत ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत तुनगुरी
सरपंच - प्रबल सिंह पैकरा
सचिव - धनेश्वर यादव
पंचगढ़ एवं सम्मत ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत चोडया
सरपंच - रमको धनगुण
सचिव - राजेंद्र टोप्पो
पंचगढ़ एवं सम्मत ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत चांदों
सरपंच - दल वीर मझवार
सचिव - राजन्ति तिर्की
पंचगढ़ एवं सम्मत ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत सकरिया
सरपंच - अमृता
सचिव - गुड्डा राम
पंचगढ़ एवं सम्मत ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत प्रतापपुर
सरपंच - प्रमिला सिंह
सचिव - नन्हू राम
पंचगढ़ एवं सम्मत ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत पटकुरा
सरपंच - नमस्ती बाई मझवार
सचिव - धर्मेंद्र सिंह
पंचगढ़ एवं सम्मत ग्रामवासी ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत पुटा
सरपंच - बालकुमारी टोप्पो
सचिव - घनश्याम सिंह
पंचगढ़ एवं सम्मत ग्रामवासी को ढेर सारी शुभकामनाएं
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत लिपंगी
सरपंच - सुखमनीय भेलवा
सचिव - विनेश राम
एवं समस्त पंचगण एवं समस्त ग्रामवासी
की ओर से समस्त ग्रामवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
जय हिंद जय भारत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वन मण्डलाधिकारी
वन मण्डल, बलरामपुर के समस्त कर्मचारी
बलरामपुर-रामानुजगंज,छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
15 अगस्त
वन परिक्षेत्राधिकारी
वन परिक्षेत्र-बलरामपुर
के कर्मचारी गण बलरामपुर-रामानुजगंज,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
वन परिक्षेत्राधिकारी
वन परिक्षेत्र-सीतापुर
के समस्त कर्मचारी सरगुजा, छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वन परिक्षेत्राधिकारी
वन परिक्षेत्र-राजपुर
के कर्मचारी गण बलरामपुर-रामानुजगंज,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वन परिक्षेत्राधिकारी
वन परिक्षेत्र- उदयपुर
के समस्त कर्मचारीगण जिला- सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
राजा यादव
सुदामा राजवाड़े
जिला अध्यक्ष
बलरामपुर रामानुजगंज एवं प्रभारी सरगुजा संभाग
अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार फाउंडेशन

15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वन एवं वन्य प्राणी राष्ट्र की धरोहर है इनकी रक्षा कीजिये
विनीत:
वन परिक्षेत्राधिकारी देवगढ़

15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की
आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
गुलाब कमरो
पूर्व विधायक, भरतपुर सोनहत

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वन एवं वन्य प्राणी राष्ट्र की धरोहर है इनकी रक्षा कीजिये
विनीत:
वनपरिक्षेत्राधिकारी सोनहत

ग्राम पंचायत कटगोड़ी
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
हर घर तिरंगा
विनीत
सरपंच एवं सचिव
ग्राम पंचायत कटगोड़ी
जनपद पंचायत सोनहत
जिला कोरिया

ग्राम पंचायत दामुज
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
हर घर तिरंगा
विनीत
सरपंच एवं सचिव
ग्राम पंचायत दामुज
जनपद पंचायत सोनहत
जिला कोरिया

ग्राम पंचायत बेलिया
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
हर घर तिरंगा
विनीत
सरपंच एवं सचिव
ग्राम पंचायत बेलिया
जनपद पंचायत सोनहत
जिला कोरिया

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
हर घर तिरंगा
विनीत
प्रतीक जायसवाल
कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा
जनपद पंचायत सोनहत

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
हर घर तिरंगा
विनीत
एलेग्जेंडर पन्ना
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
बैकुंठपुर

AISECT
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
आईसेक्ट कंप्यूटर सेंटर
सोनहत
विकसित भारत • सशक्त भारत • डिजिटल भारत
COURSE OFFERED
DCA
PGDCA
BCA
सभी कोर्स प्रमाणित एवं कैरियर उन्मुखी
अभी प्रवेश लें सीमित सीटें! जल्दी करें!
AISECT Computer Sonhat

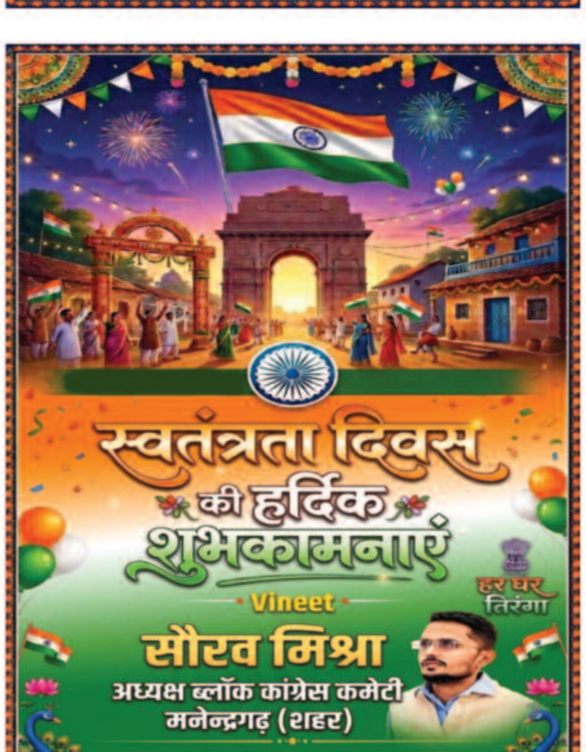

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
हर घर तिरंगा
Vineet
सौरव मिश्रा
अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी
मनेन्द्रगढ़ (शहर)

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
हर घर तिरंगा
विनीत
मनोज जगत
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत सोनहत

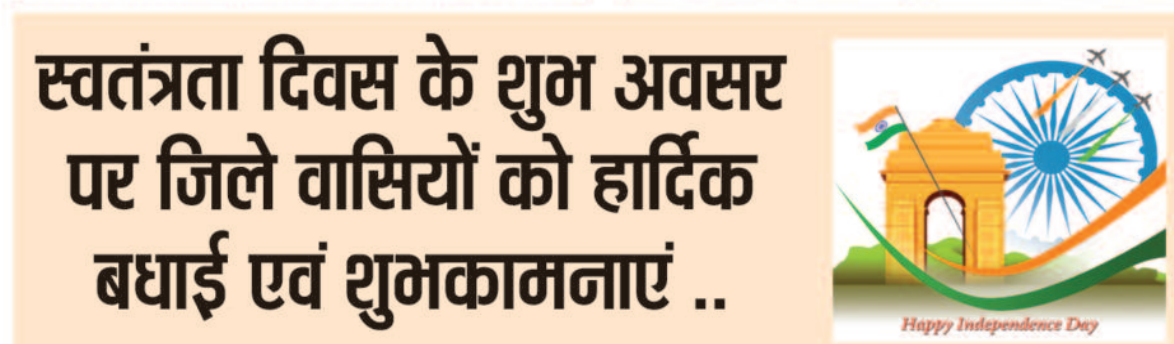

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जिले वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ..
Happy Independence Day

C M Y K

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
15 AUGUST
शैलेष शिवहरे
पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष
व भाजपा जिला उपध्यक्ष
बैकुण्ठपुर कोरिया (छ.ग.)
नविता शिवहरे
अध्यक्ष नगर पालिका
बैकुण्ठपुर जिला
कोरिया (छ.ग.)

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
अशोक जायसवाल
अशोक जायसवाल पूर्व अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद्
बैकुण्ठपुर कोरिया

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
वेदांती तिवारी
पूर्व उपाध्यक्ष जिला
पंचायत कोरिया

80 वाँ स्वतंत्रता दिवस पर समस्त नागरिकों हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
अवधेश सिंह
संचालक
इंडियनऑयल
IndianOil
कोरिया फ्यूल सेंटर

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
योगेश शुक्ला
सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश
कांग्रेस कमेटी।

श्रमिक हितों का सतत् प्रहरी कोयला मजदूर सभा, हिन्द मजदूर सभा परिवार समस्त पदाधिकारी श्रमिकों व कोयलांचलवासीयों को
गणतंत्र दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं देती है
हरियादव
अध्यक्ष
बैकुण्ठपुर क्षेत्र (एचएमएस)
योगेन्द्र मिश्रा
महामंत्री
बैकुण्ठपुर क्षेत्र (एचएमएस)
अजय कुमार सिंह
अध्यक्ष
कटकोना सहक्षेत्र (एचएमएस)
15 AUG
HAPPY INDEPENDENCE DAY

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
शोएब अख्तर
संचालक स्टार बस सेवा व स्टार इंडस्ट्री
चिरिमीरी जिला कोरिया (छ.ग.)

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
देवेन्द्र तिवारी
भाजपा जिलाध्यक्ष
बैकुण्ठपुर कोरिया (छ.ग.)

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
भानुपाल
पार्षद नगर पालिका परिषद्
बैकुण्ठपुर व पूर्व भाजपा मण्डल अध्यक्ष
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
अनिल जायसवाल
जिलाध्यक्ष
कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग
जिला कोरिया (छ.ग.)

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
आशीष यादव
(उर्फ लल्ला यादव)
उपाध्यक्ष नगर पालिका
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)

तिवारी कन्ट्रक्शन व फ्लाई ब्रिक्स की ओर से सभी उपभोक्ता व नगरवासियों को
80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
स्वतंत्रता दिवस
अश्वनी तिवारी
कांट्रेक्टर कुड़ेली
जिला कोरिया (छ.ग.)
15 AUGUST

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
अनिल जायसवाल
कांट्रेक्टर कुड़ेली
पूर्व भाजपा किसान मोर्चा
जिला उपाध्यक्ष
जिला कोरिया (छ.ग.)

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
रेवा यादव
विधायक प्रतिनिधि
जिला-कोरिया (छ.ग.)

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
अनिल साहू
भाजपा नेता
जिला-कोरिया

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
गायत्री सिंह
अध्यक्ष नगर पंचायत पटना
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)

प्रदेश वासियों को 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
मोहित राम पैकरा
अध्यक्ष
जिला पंचायत कोरिया (छ.ग.)

प्रदेश वासियों को 80 वाँ
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
15 AUG
HAPPY INDEPENDENCE DAY
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
एवं समस्त शंकरगढ़
जिला-बलरामपुर,रामानुजगंज,छ.ग.

फर्जी जाति प्रमाण-पत्र पर नौकरी करने वालों पर होगी कार्रवाई

सरकार ने मांगी अद्यतन जानकारी

रायपुर,14 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ सरकार ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के फर्जी या गलत जाति प्रमाण-पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के मामलों में कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों, संभागीय आयुक्तों, विभागाध्यक्षों, जिला कलेक्टरों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से ऐसे सभी मामलों में की गई कार्रवाई की अद्यतन और एकजाई जानकारी तत्काल उपलब्ध कराने को कहा है। सामान्य प्रशासन विभाग ने 11 अगस्त 2026 को जारी पत्र में कहा है कि जिन शासकीय सेवकों के जाति प्रमाण-पत्र जाति प्रमाण-पत्र उच्च स्तरीय छानबीन समिति द्वारा फर्जी या गलत पाए जाने के कारण निरस्त किए जा चुके हैं, उनके विरुद्ध शासन के पूर्व निर्धारित नियमों और निर्देशों के अनुसार कार्रवाई की जानी है।

स्थगन नहीं तो सेवा समाप्त करने के निर्देश

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी कर्मचारी या अधिकारी के मामले में न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त नहीं हुआ है और उच्च स्तरीय छानबीन समिति द्वारा जाति प्रमाण-पत्र फर्जी या गलत पाए जाने के कारण निरस्त किया जा चुका है, तो संबंधित की सेवाएं अविलंब समाप्त की जाएं। सेवा समाप्ति का आदेश जारी करने से पहले संबंधित प्रशासकीय विभाग को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में कैविएट दायर करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

कोर्ट से स्टे मिलने पर भी होगी कार्रवाई

जिन मामलों में संबंधित अधिकारी या कर्मचारी को न्यायालय से स्थगन मिला हुआ है, उनमें विधि विभाग से समीक्षा कराने और स्थगन आदेश समाप्त कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई तत्परता से करने को कहा गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने अपने पत्र में पूर्व में जारी कई परिपत्रों का हवाला देते हुए कहा कि इन मामलों में मांगी गई जानकारी अभी तक पूरी तरह उपलब्ध नहीं हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी विभागों को प्राथमिकता के आधार पर अपने अधीनस्थ कार्यालयों और जिलों से जानकारी एकत्र कर तत्काल सामान्य प्रशासन विभाग तथा आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर छत्तीसगढ़ पुलिस के नाम 152 पदक,सुंदरराज-एलेसेला होंगे सम्मानित

141 गैलेंट्री मेडल,10 सराहनीय सेवा सम्मान,आईपीएस कोटवानी को मिलेगा राष्ट्रपति पदक

रायपुर,14 अगस्त 2026। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पुलिस पदकों की घोषणा की है। इस बार छत्तीसगढ़ पुलिस के 152 अधिकारी और जवान अलग-अलग श्रेणियों में सम्मानित होंगे। इनमें 141 को वीरता पदक, 10 को सराहनीय सेवा पदक और 1 अधिकारी को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक दिया जाएगा। बता दें कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वीरता और अदम्य साहस का परिचय देने वाले सेना के जवानों, अफसरों और पुलिस अधिकारियों और जवानों को अवार्ड से सम्मानित किया जाता है। नक्सल प्रभावित इलाकों में लंबे समय तक चले अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों को इस बार खास तौर पर सम्मानित किया गया है। वीरता पदक

पाने वाले प्रमुख अधिकारियों में आईजी पी. सुंदरराज, आईजी इंदिरा कल्याण एलेसेला, एएसपी संदीप पटेल और एएसपी रॉबिन्सन गुड़िया शामिल हैं। आईजी पी. सुंदरराज को नक्सल विरोधी अभियानों का बेहतर तरीके से नेतृत्व करने और माओवादी नेटवर्क को कमजोर करने के लिए किए गए काम के लिए वीरता पदक दिया गया है।

आईजी एलेसेला, एएसपी रॉबिंसन को भी वीरता पदक

आईजी इंदिरा कल्याण एलेसेला को नक्सल प्रभावित इलाकों में साहस के साथ नेतृत्व करने के लिए वीरता पदक दिया जाएगा। एएसपी संदीप पटेल और एएसपी रॉबिंसन गुड़िया को भी विशेष अभियानों में बहादुरी दिखाने के लिए वीरता पदक से सम्मानित किया जाएगा।

सीनियर आईपीएस अधिकारी कोटवानी को राष्ट्रपति पदक

विशिष्ट सेवा के लिए वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एमएल कोटवानी को राष्ट्रपति पदक दिया जाएगा। पुलिस सेवा में उनके लंबे अनुभव, बेहतर प्रशासन और उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए उन्हें इस सम्मान के लिए चुना गया है।

सराहनीय सेवा के लिए इन अफसरों को मिलेगा सम्मान

सराहनीय सेवा पदक पाने वालों में कमांडेंट गायत्री सिंह,कमांडेंट ओम प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त डीसीपी डॉ. अर्चना झा,एएसपी दीपमाला कश्यप,डिप्टी कमांडेंट रमा पटेल, इंस्पेक्टर पिनाकी, डीएसपी सविता सिंह परिहार, असिस्टेंट कमांडेंट बृजेश कुमार तिवारी, कंपनी कमांडर राकेश कुमार सिंह और प्लाटून कमांडर नेहरू लाल शामिल हैं।

राहुल गांधी सुबह ब्रश नहीं करते,रायपुर के बीजेपी विधायक पुरंदर मिश्रा का बयान

रायपुर,14 अगस्त 2026। रायपुर उत्तर विधानसभा से भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा अपने विवादित बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। वह एक बार फिर चर्चाओं के केंद्र में हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सुबह ब्रश नहीं करते हैं। अगर करेंगे तो उनकी बोली में शुद्धता आएगी।

यह बयान उन्होंने पीएम मोदी के खिलाफ राहुल गांधी द्वारा दिए गए टिप्पणी को लेकर दिया है। पुरंदर मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणी शोभनीय नहीं है। वह संविधान की बात करते हैं, पीएम मोदी उनके भी प्रधानमंत्री है, ऐसी टिप्पणी करना दुखद है।

विभाजन विभीषिका दिवस मनाने को लेकर पुरंदर मिश्रा ने कहा कि 14 अगस्त दुःखद तारीख है। इस दिन स्वार्थी और असामाजिक तत्वों ने भारत का विभाजन किया।

विभाजन करने वाले आज दुःख भोग रहे हैं और उनकी पार्टी भी दुःख भोग रही है।

छत्तीसगढ़ में मस्जिदों-दरगाहों में होगा ध्वजारोहण,गाया जाएगा राष्ट्रगीत

वक्फ बोर्ड से आदेश जारी,अध्यक्ष सलीम राज बोले-वंदे मातरम नहीं गाने वाले चले जाए पाकिस्तान

रायपुर,14 अगस्त 2026। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर छत्तीसगढ़ में वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने प्रदेश की सभी मस्जिदों, मदरसा और दरगाह में राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान गाने और कार्यक्रमों के आयोजन के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के सीईओ ने निर्देश जारी किया है।

डॉ. सलीम राज ने कहा कि ऐसा नहीं करने वालों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश के सम्मान और गौरव का प्रतीक है। जो लोग तिरंगे का सम्मान नहीं करते, उन्हें देश में रहने का अधिकार नहीं है और ऐसे लोगों को पाकिस्तान चले जाना चाहिए। इस संबंध में जारी पत्र में केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों का हवाला दिया

गया है। जारी निर्देश में कहा गया है कि 15 अगस्त के अवसर पर सभी मस्जिदों और मदरसों में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया जाए। इसके साथ ही राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान के सामूहिक गायन की व्यवस्था करने के लिए भी कहा गया है। वक्फ बोर्ड के पदाधिकारियों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता,सामाजिक समरसता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करना है। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने भास्कर से बातचीत में कहा...स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जब लालकिला पर राष्ट्र गान और राष्ट्रगीत दोनों हो रहा है। वहीं,अब छत्तीसगढ़ की सभी मस्जिदों,दरगाहों,इमामबाड़ों और खानकाहों में ध्वजारोहण किया जाएगा। भारत सरकार के निर्देश के अनुसार ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत भी गाना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)

CMYK